सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
"किसी के बदलने का इंतजार मत करो, खुद को बदलो और अपनी दुनिया को खूबसूरत बनाओ...!!"
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-169 • संपादक आलोक तिवारी • दुर्ग, बुधवार 08 जुलाई 2026 • पृष्ठ 08 • मूल्य -2 रुपए

देवेंद्र के पैनल को बाबा महंत का समर्थन-शैलेन्द्र बंजारे होंगे युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कैंडिडेट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महीनों के चल रही तैयारी के बाद आखिरकार देवेंद्र गुट की ओर से शैलेन्द्र बंजारे का नाम पर प्रदेश अध्यक्ष कैंडिडेट के तौर पर मुहर लग गई है। कल नामांकन प्रक्रिया का अंतिम दिन था वहीं सूत्रों के अनुसार देवेंद्र इस संगठन चुनाव में पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत का समर्थन जुटाने में सफल हुए। वहीं अभी तक भूपेश बघेल के गुट की ओर से प्रदेश अध्यक्ष से सस्पेंस में पर्दा नहीं उठाया है।

सतनामी समाज के प्रत्याशी उतारने देवेंद्र की सोशल इंजीनियरिंग को विश्लेषक दूरदृष्टि के तौर पर ले रहे हैं। पिछले घटनाक्रम को देखें तो यादवों के बाद देवेंद्र ने सतनामी समाज के बीच भी प्रदेशभर में अपनी पकड़ मजबूत की है वहीं ऐसे समय में शैलेन्द्र के नाम को आगे कर उन्होंने प्रदेश में नई राजनैतिक समीकरण पैदा करने की कोशिश की है।

महंत बाबा के समर्थन के बाद मजबूत हुआ पैनल

प्रदेश युवा कांग्रेस के पिछले चुनाव में भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव ने साथ चुनाव लड़ा था जिसमें आकाश शर्मा बड़े अंतर से चुनाव जीतकर प्रदेश अध्यक्ष बने थे। इस चुनाव में इन दो धड़ों के अलग होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गुट को इस चुनाव में मजबूत माना जा रहा था। वहीं प्रदेशभर के युवाओं के बीच देवेंद्र का बढ़ता क्रेज इस ओर इशारा कर रहा था कि यह चुनाव किसी के लिए इतना आसान नहीं होने जा रहा। इसी बीच वरिष्ठों के आशीर्वाद का संतुलन बनाने देवेंद्र ने चरणदास महंत और टी.एस. सिंहदेव को अपने साथ लाया और चुनावी समीकरण में नई लकीर खींची।

रेफरल की दौड़ में भी शैलेन्द्र सबसे आगे

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ने प्रत्याशी को 65 ब्लॉक अध्यक्ष और 15 जिला अध्यक्ष या महासचिव का रेफरल होना आवश्यक है। नॉमिनेशन के दौरान इन पदों पर चुनाव लड़ने वाले कैंडिडेट द्वारा रेफरल के तौर पर प्रदेश अध्यक्ष को नॉमिनेट किया जाता है जोकि प्रस्तावक के तौर पर होता है इसमें 317 रैफरल्स के साथ शैलेन्द्र सबसे आगे हैं वहीं इनके आस पास देखें तो प्रशांत बोकडे 224 रैफरल्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं। जिसके बाद क्रमशः अन्य दावेदार सोनू शर्मा, विनय शील, लोकेश वशिष्ठ और हनी बग्गा हैं।

कौन हैं शैलेन्द्र बंजारे

शैलेन्द्र बंजारे वतर्मान में जिला पंचायत सदस्य है और बलौदाबाजार से युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हैं। वे लंबे समय से देवेंद्र यादव के साथ यूथ पॉलिटिक्स में जुड़े हुए थे, इस चुनाव में देवेंद्र की ओर से निखिलकांत साहू, भावेश शुक्ला, अनिमेष सिंह सहित कई दावेदार थे जिनमें सर्वसम्मति से शैलेन्द्र के नाम पर मुहर लगी।

धमकी देने के मामले में कोर्ट का कड़ा फैसला

2 दोषी करार : 1-1 साल जेल और 500 जुर्माना, नहीं दिया तो 10 दिन अतिरिक्त सजा

इंद्रजीत सिंह छोटू को जान से मारने की धमकी वाला केस, चिट्ठी से हुआ था खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी और सर्व समाज कल्याण समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू को जान से मारने की धमकी देने के मामले में दुर्ग कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायालय ने 2 आरोपियों को दोषी करार देते हुए 1-1 साल साधारण कारावास और 500-500 जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं देने पर 10 दिन की अतिरिक्त जेल भी भुगतनी होगी। दोषी करार दिए गए आरोपी हैं राजेश कुमार गुप्ता और समाजसेवी स्व. मंगा सिंह के बेटे सतबीर सिंह उर्फ सोनू।

क्या था पूरा मामला ?

कुछ साल पहले 3 जनवरी को इंद्रजीत सिंह छोटू की हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी, हथखोज भिलाई के ऑफिस में रजिस्टर्ड डाक से एक सफेद लिफाफा आया था। लिफाफे के अंदर धमकी भरा पत्र था जिसमें लिखा था कि "छोटू क्यों इतना दुशमनी पाल रहा है। पूरे शहर से दुर्ग से रायपुर तक तेरे पीछे आदमी लग गए हैं। तुझे मारने के लिए आदमी बाहर से आ गए हैं। इतना पैसा क्या करेगा।" पत्र मिलने के बाद इंद्रजीत सिंह छोटू ने तत्काल भिलाई-3 थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने धारा 506, 507 IPC के तहत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि धमकी भरी चिट्ठी सेक्टर-2 पोस्ट ऑफिस से भेजी गई थी।

कोर्ट ने क्या कहा ?

सजा के बिंदु पर सुनवाई में आरोपियों के वकील ने "पहला अपराध" बताकर परिवीक्षा या सिर्फ जुर्माने की मांग की। लेकिन अभियोजन ने कड़ी सजा की मांग की।

न्यायालय ने कहा कि धारा 507 क्ढउ में धमकी के साथ 2 साल तक की सजा का प्रावधान है। अपराध की गंभीरता और लंबे समय से लंबित प्रकरण को देखते हुए कोर्ट ने दोनों को धारा 506 में 6 माह और 500 जुर्माना, धारा 507 में 6 माह साधारण कारावास, कुल 1 साल जेल और 500 अर्थदंड की सजा सुनाई। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि जुर्माना जमा न करने पर 10 दिन अतिरिक्त जेल होगी।

सबूत में क्या था ?

मामले में कोर्ट ने एक सफेद लिफाफा, धमकी भरा पत्र, रजिस्टर, हस्तलिपि के नमूने और 1 सीडी कैसेट को साक्ष्य के रूप में अभिलेख के साथ सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। कोर्ट ने धारा 437(ए) के तहत जमानत और मुचलका को निर्णय से 6 माह तक प्रभावशील रखा है। इस फैसले से शहर के व्यापारियों में राहत है। इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है। धमकी देकर किसी को डराया नहीं जा सकता।

बीएसपी स्क्रैप चोरी : अब सीआईएसएफ के 6 जवानों से की जाएगी पूछताछ

41 दिन बाद भी जांच जारी, 250 टन लौह स्क्रैप चोरी के मामले में जांच का दायरा बढ़ा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से 250 टन लौह स्क्रैप चोरी के बहुचर्चित मामले में पुलिस की पड़ताल 41 दिन बाद भी जारी है। जांच का दायरा बढ़ाते हुए अब पुलिस संवेदनशील क्षेत्र में तैनात सीआईएसएफ के आधा दर्जन अधिकारियों और जवानों से पूछताछ करने की तैयारी कर रही है।

पुलिस पहले ही एसएमएस-3 के महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक और एक नॉन-एक्जीक्यूटिव कर्मचारी के बयान दर्ज कर चुकी है। अधिकारियों के अनुसार साक्ष्यों को मजबूत करने के लिए विवेचना के हर पहलू को खंगाला जा रहा है।

रिमांड में ट्रांसपोर्टर से मिलीं अहम जानकारियां

पुलिस ने इस मामले में ट्रांसपोर्टर संजय सिंह को 7 दिन की रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की थी। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। हालांकि पुलिस ने संभावित अन्य संलिप्त लोगों के नाम और तथ्यों का आधिकारिक खुलासा नहीं किया है। पुलिस का कहना है कि जांच प्रभावित न हो इसलिए तथ्यों को उचित समय पर ही सार्वजनिक किया जाएगा।

क्या है पूरा मामला

26 मई को ग्राम अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स में एटीएस और भिलाई-3 थाना पुलिस की संयुक्त कारर्वाई में बीएसपी से चोरी किए गए करीब 250 टन लौह स्क्रैप का खुलासा हुआ था। कारेवाई के दौरान पुलिस ने स्क्रैप, वाहन और मशीनरी सहित लगभग 3.22 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी और 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

इस मामले में ठेकेदार हिमांशु ब्रदर्स के संचालक हिमांशु खंडेलवाल, आरडीके इंडस्ट्री से जुड़े गिरीष खंडेलवाल, गोदाम संचालक मोहम्मद सलीम और संजय सिंह के पुत्र अभय सिंह समेत कुछ आरोपी अभी भी फरार हैं।

पुलिस का कहना है कि चोरी में अंदर-बाहर के लोगों की मिलीभगत की आशंका है, इसी कारण जांच का दायरा बढ़ाया गया है। फरार आरोपियों को जल्द पकड़ने और पूरे नेटवर्क को बेनकाब करने पर पुलिस का जोर है।

एसपी का बयान

एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि "बीएसपी स्क्रैप चोरी मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। संवेदनशील क्षेत्र में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। विवेचना पूरी तरह साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है।"

एसपी विजय अग्रवाल

कोयला-डीएमएफ घोटाला : कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष के बेटे वैभव अग्रवाल से EOW की दुबारा पूछताछ

रायपुर। बहुचर्चित कोयला घोटाला और डीएमएफ घोटाला समेत कई मामलों में एडह ने मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल के बेटे वैभव अग्रवाल से दुबारा पूछताछ शुरू की है। जानकारी के अनुसार सोमवार को वैभव अग्रवाल से लगभग 8 घंटे तक कड़ी पूछताछ की गई थी। देर रात करीब 10 बजे उन्हें छोड़ दिया गया था। इसके बाद आज सुबह 11 बजे से एक बार फिर उन्हें एडह दफ्तर बुलाकर पूछताछ की जा रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी कोयला घोटाला, डीएमएफ घोटाला और अन्य वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में वैभव अग्रवाल से दस्तावेजों और लेन-देन के बारे में सवाल-जवाब कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले में नए तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर वैभव से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इस पूरे मामले को लेकर सियासी गलियारों में भी चर्चाएं तेज हैं।

मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट तेज

मानसून सत्र से पहले यूपी, पंजाब समेत चुनावी राज्यों को मिल सकती है तरजीह

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

युवा और नए चेहरों की एंट्री, सहयोगी दलों की हिस्सेदारी बढ़ने के आसार

संसद के आगामी मानसून सत्र से ठीक पहले केंद्र सरकार में बड़े फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की लगातार बैठकों के बाद मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बार फोकस आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों पर रहेगा, जिससे एक नया और युवा मंत्रिमंडल देखने को मिल सकता है।

यूपी का दबदबा और बढ़ेगा : 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व मंत्रिमंडल में और मजबूत होने की संभावना है। अभी पीएम मोदी समेत यूपी से 11 मंत्री हैं। 2021 के विस्तार में भी चुनाव से पहले यूपी से 7 नए चेहरे शामिल किए गए थे, जिसके बाद संख्या 16 तक पहुंच गई थी।

इस बार भी 'एक व्यक्ति एक पद' के फॉर्मूले पर काम हो सकता है। यूपी बीजेपी अध्यक्ष बनाए जा चुके पंकज चौधरी की जगह नए चेहरे को मौका मिल सकता है। इसके साथ ही ब्राह्मण, पिछड़ा और दलित वर्ग से प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर है।

चुनावी राज्यों को मिलेगा वेटेज : 2021 की तर्ज पर इस बार गुजरात, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर जैसे चुनावी राज्यों से नए चेहरों को तरजीह मिल सकती है।

पंजाब-दिल्ली: पंजाब में बीजेपी का कोई लोकसभा सांसद नहीं है, लेकिन हाल में अअढ के 6 बागी राज्यसभा सांसद बीजेपी में शामिल हुए हैं। इनमें से किसी को मौका मिल सकता है। वहीं रवनीत सिंह बिट्टू का कार्यकाल खत्म होने और हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद दिल्ली से भी नए चेहरे की एंट्री संभव है।

पश्चिम बंगाल: अभी बंगाल से सिर्फ दो राज्य मंत्री हैं। टीएमसी के बागी सांसदों के समर्थन और आगामी चुनाव को देखते हुए बंगाल का वेटेज बढ़ सकता है।

सहयोगी दलों की मांग जोर पकड़ी : एनडीए के प्रमुख सहयोगी भी मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नीतीश कुमार की खउब्र और चंद्रबाबू नायडू की ळउद्ध ने केंद्रीय नेतृत्व के सामने अपने कोटे में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों का कहना है कि सहयोगियों को संतुष्ट करने के लिए 1-2 मंत्री पद दिए जा सकते हैं।

महाराष्ट्र में सियासी बेचैनी : कैबिनेट विस्तार की खबरों के बीच महाराष्ट्र की राजनीति में भी हलचल है। शरद पवार की ठउढ के कांग्रेस में महाविलय की अफवाहों से सांसदों में 2029 के चुनाव को लेकर बेचैनी है। हालांकि बीजेपी सूत्रों का कहना है कि बागी सांसदों को शामिल करने या मंत्री पद देने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

महाविकास अघाड़ी की बैठकों में विधायकों की गैर-मौजूदगी ने गठबंधन में दरार की अटकलों को और हवा दे दी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह फेरबदल न सिर्फ 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद सरकार को नई ऊर्जा देगा, बल्कि 2025-27 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी की जमीन भी तैयार करेगा। मानसून सत्र से पहले नई टीम के शपथ लेने की संभावना जताई जा रही है।

प्रशांत किशोर के चुनावी कैंपेन की कमान संभाल रही हैं सुप्रिया

पीके की पार्टी का मीडिया मैनेजमेंट संभालती हैं, लोकल डिजिटल चैनलों को दिया बड़ा प्लेटफॉर्म

आलोक तिवारी / पटना

बिहार की सियासत में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर एक बार फिर मैदान में हैं और इस बार खुद चुनाव लड़ रहे हैं। उनके इस चुनावी कैंपेन का मीडिया मैनेजमेंट एक बार फिर सुप्रिया के हाथों में है। सियासी गलियारों में सुप्रिया को पीके की टीम की मीडिया धुरी माना जाता है। पार्टी के कार्यक्रमों में पत्रकारों को आमंत्रित करने से लेकर उन्हें हर जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने तक की जिम्मेदारी सुप्रिया ही देखती हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक बिहार में सबसे मजबूत मीडिया मैनेजमेंट बीजेपी का है, जो बड़े राष्ट्रीय संस्थानों से लेकर फील्ड रिपोर्टर तक को अपने आयोजनों में बुलाती है। इसके बाद दूसरे नंबर पर प्रशांत किशोर की पार्टी का नाम आता है। पीके की पार्टी की खासियत यह है कि वह बड़े मीडिया संस्थानों के साथ-साथ स्थानीय स्तर के लोकल डिजिटल चैनलों को भी बराबर तरजीह देती है। डिजिटल मीडिया में आर्थिक संकट से जूझ रहे कई ऐसे चैनलों को पीके की टीम ने सहारा दिया है जिनका मोनेटाइजेशन तक नहीं हुआ था। पार्टी ने उन्हें कवरेज और संसाधन देकर नई संजीवनी दी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार सुप्रिया पूरे मीडिया मैनेजमेंट टीम की कमान संभाल रही हैं। उनके समन्वय से ही प्रशांत किशोर के कार्यक्रमों की कवरेज प्रदेश के कोने-कोने तक पहुंच रही है। चुनाव के इस दौर में एक बार फिर सुप्रिया पर सबकी नजरें हैं, क्योंकि पीके के चुनावी अभियान की सफलता में मीडिया मैनेजमेंट की अहम भूमिका मानी जा रही है।

सम्राट चौधरी की साख पर परीक्षा, बीजेपी गढ़ में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

बिहार की सियासत में भूचाल के संकेत मिल रहे हैं। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में खुद चुनाव लड़ने का मन बना लिया है। 30 जुलाई को होने वाले इस उपचुनाव के लिए जन सुराज की कोर कमेटी की देर रात 1 बजे तक चली बैठक में प्रशांत किशोर के नाम पर सर्वसम्मति बनी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार वे 11 जुलाई को अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। यह सीट बीजेपी के दिग्गज नेता नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई है। 1995 से यह सीट नितिन नवीन के परिवार का गढ़ मानी जाती है। पहले उनके पिता और फिर खुद नितिन नवीन यहां से विधायक रहे।

विपक्ष से 'वन-टू-वन' मुकाबले की अपील : चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने इस उपचुनाव को बेहद अहम बना दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस गठबंधन से अपील की है कि वे इस सीट पर अपना उम्मीदवार न उतारें। पीके की रणनीति बीजेपी के खिलाफ एक सीधा मुकाबला खड़ा करने की है। सूत्रों का कहना

है कि पर्दे के पीछे कांग्रेस और विपक्ष के बड़े नेताओं से बातचीत का दौर शुरू हो चुका है। यदि विपक्ष समर्थन देता है तो बांकीपुर में मुकाबला बेहद कड़ा हो सकता है।

जातिगत समीकरण और बीजेपी की चुनौती: बांकीपुर में 3.70 लाख से अधिक मतदाता हैं। यहां वैश्य और कायस्थ समाज की आबादी निर्णायक मानी जाती है। बीजेपी ने अभी तक अपने उम्मीदवार के नाम की औपचारिक घोषणा नहीं की है। पार्टी के अंदरूनी गलियारों में भी उम्मीदवार को लेकर मंथन जारी है।

सम्राट चौधरी के लिए अग्निपरीक्षा : राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह उपचुनाव भले ही एक सीट का हो, लेकिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए यह बड़ी परीक्षा है। सीएम पद संभालने के बाद यह पहला चुनाव है जहां जनता सीधे वोट करेगी। अगर बीजेपी अपने इस पारंपरिक गढ़ को गंवाती है तो मुख्यमंत्री की राजनीतिक साख पर सवाल उठेंगे। खासकर तब जब पार्टी के भीतर ही कई सीनियर नेता उनके नेतृत्व से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिख रहे हैं।

भरत भूषण तिवारी मामला बढ़ा रहा दबाव : उपचुनाव से पहले 'भरत भूषण तिवारी मामले' को लेकर राज्य का सियासी माहौल गर्म है। एनडीए के घटक दल के नेता चिराग पासवान ने इस घटना को सीधे 'हत्या' करार दिया है, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ गया है। इस मामले के बाद उपजे जन आक्रोश और आंतरिक गुटबाजी के बीच बांकीपुर उपचुनाव बीजेपी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है।

अब सबकी नजर 11 जुलाई को होने वाले नामांकन और विपक्ष के रुख पर टिकी है। यदि प्रशांत किशोर और विपक्ष के बीच तालमेल बनता है तो बांकीपुर का चुनाव बिहार की सियासत की दिशा तय कर सकता है।

'घर-घर मुनगा, हर घर मुनगा' अभियान के तहत पौधारोपण, हर घर में लगाएं सुपोषण वृक्ष-विधायक चंद्राकर

कलेक्टर के मार्गदर्शन में अछोटी में मुनगा रोपण, महिलाओं को दिए पोषण के टिप्स, जिले के 1150 आंगनबाड़ी में होगा पौधरोपण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित 'घर-घर मुनगा, हर घर मुनगा' अभियान के तहत रविवार को दुर्ग ग्रामीण परियोजना की ग्राम पंचायत अछोटी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती की पूजा-अचर्ना से की गई। इसके बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ और बच्चों द्वारा बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक लित चंद्राकर रहे। आंगनबाड़ी के बच्चों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। विधायक ने स्वयं मुनगा का पौधा रोपित कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा ने की। उन्होंने भी पौधारोपण कर पौधों के संरक्षण पर जोर दिया। अन्य अतिथियों में जनपद सदस्य बेला यादव, मंडल अध्यक्ष लिखेश्वर देशमुख, भाजपा महामंत्री गब्बर जी, किसान मोर्चा अध्यक्ष नुकेश्वर देशमुख, बूथ अध्यक्ष टुम्मनलाल कोसे, विधायक प्रतिनिधि मोरध्वज यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मण यादव और वरिष्ठ भाजपा नेता कामता दिल्लीवार उपस्थित थे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. जाम्बुलकर ने बताया कि जिले के 1550 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'घर-घर मुनगा, हर घर मुनगा' के तहत सुपोषण वृक्ष मुनगा का रोपण किया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं से अपने घरों की बाड़ियों में भी मुनगा लगाने और उसे नियमित आहार में शामिल करने की अपील की।

जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू ने मुनगा के औषधीय और पोषण गुणों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुनगा को अफ्रीकी देशों में 'मदर्स ट्री' का दर्जा मिला है। मुनगा की पत्ती, फल और पूरे पौधे में प्रोटीन, विटामिन और पोषक तत्व भरपूर होते हैं।

अजय साहू ने कहा कि मुनगा में कैल्शियम की अधिकता के कारण यह शिशुवती माताओं के लिए लाभकारी है। इसके सेवन से माताओं के दूध की मात्रा बनी रहती है और बच्चों का वजन नियमित रूप से बढ़ता है। यह आयरन से भरपूर होने के कारण रक्ताल्पता दूर करने में भी मददगार है। मुनगा के 100 ग्राम सेवन से शरीर को 64 किलो कैलोरी ऊर्जा, 9.4 ग्राम प्रोटीन, विटामिन-ए 151%, विटामिन-सी 86%, कैल्शियम 18% और आयरन 22% की पूर्ति हो जाती है।

अन्नप्राशन और न्यौता भोज

कार्यक्रम के दौरान ट्विंकल, सार्थक और वेदांत नामक 3 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। वहीं संतोष कुमार अमृत व मानस अमृत के सहयोग से आंगनबाड़ी में न्यौता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की आयोजक परियोजना अधिकारी दुर्ग ग्रामीण ऊषा झा ने सभी अतिथियों को पौधे रोपित पॉट भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पयर्वेक्षक ममता साहू, गीतांजलि भैंसारे, सरपंच झरना दिल्लीवार, सचिव युवराज साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माया रामटेके, दिनेश्वरी देशमुख, नंदिनी देशमुख, सहायिका मानस दिल्लीवार, ऊषा दिल्लीवार, अनुसूइया, पंच उमेश्वरी देशमुख, चंद्रकला देशमुख, लोकेश कोसे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

खास खबर

दुर्ग के गांव-गांव में लबालब भरीं आजीविका डबरियां और नवा तरिया, जल संरक्षण से ग्रामीण आजीविका को मिलेगी नई मजबूती

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मानसून की शुरुआत के साथ दुर्ग जिले में 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान 2.0 के सकारात्मक परिणाम अब गांव-गांव में दिखाई देने लगे हैं। अभियान के तहत निर्मित आजीविका डबरियां, नवा तरिया, चेक डैम, परकोलेशन पॉण्ड और अन्य जल संरक्षण संरचनाएं तेजी से पानी से लबालब भर रही हैं। इससे न केवल भू-जल स्तर में सुधार होगा, बल्कि किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण परिवारों को सिंचाई, मत्स्य पालन, बागवानी तथा अन्य आजीविका गतिविधियों के लिए वर्षभर पानी उपलब्ध हो सकेगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन तथा सीईओ जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे के नेतृत्व में 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान 2.0 और वीबी जी राम जी के प्रभावी समन्वय से जिले की 300 ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए। जनभागीदारी से संचालित इस अभियान ने वर्षा जल संचयन और भू-जल पुनर्भरण को नई गति दी है। एक ही वित्तीय वर्ष में जिले में 55,965 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच, 20,518 कंटूर ट्रेंच, 9,663 सोख्ता गड्ढे, 1,324 रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं, 834 रिचार्ज पिट, 123 ग्राम तालाब, 26 चेक डैम, 15 परकोलेशन पॉण्ड तथा 28 बोरवेल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया गया। इन संरचनाओं में वर्षा जल का तेजी से संचयन होने से अभियान की उपयोगिता स्पष्ट रूप से सामने आने लगी है।

जिले में निर्मित 30 आजीविका डबरियां वर्षा जल का प्रभावी संचयन कर रही हैं। वहीं 'नवा तरिया-आय के जरिया' पहल के अंतर्गत बनाए गए 112 डबरी एवं तालाब भी बारिश के पानी से भरने लगे हैं। इन जल संरचनाओं से मत्स्य पालन, सिंचाई, बागवानी और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीणों को वर्षभर स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होंगे। जिला प्रशासन का मानना है कि 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान केवल जल संरक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। मानसून की पहली अच्छी बारिश के साथ आने वाले समय में जल सुरक्षा, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण आजीविका को दीघर्कालिक लाभ मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है।

नियमों का उल्लंघन करने पर मेसर्स मानिक मेडिकल स्टोर्स का औषधि लाइसेंस हुआ निरस्त

दुर्ग। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाए जाने पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक द्वारा त्वरित कायर्वाही करते हुए मेसर्स मानिक मेडिकल स्टोर्स, अहिवारा का औषधि लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विगत 16 जून 2026 को सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झडेकार एवं औषधि निरीक्षक श्रीमती गायत्री पटेल द्वारा मेसर्स मानिक मेडिकल स्टोर्स, बस स्टैण्ड के सामने, अहिवारा, जिला-दुर्ग (छ.ग.) का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान उक्त संस्थान में अन्य औषधियों के साथ अनवांटेड किट/एम.टी.पी. किट का एक नग पाया गया। मौके पर संचालक द्वारा इस संवेदनशील औषधि के संबंध में कोई भी वैध क्रय-विक्रय रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया। अवैध रूप से दवा रखने और रिकॉर्ड न होने के कारण फर्म को विगत 24 जून 2026 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। इस संबंध में फर्म द्वारा 30 जून 2026 को कार्यालय में अपना जवाब प्रस्तुत किया गया, जिसमें संचालक ने उक्त औषधि से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज या बिल प्रस्तुत करने में असमथर्ता जाहिर की। फर्म के इस कृत्य को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के नियमों का स्पष्ट और गंभीर उल्लंघन मानते हुए, औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झडेकार द्वारा 06 जुलाई 2026 को मेसर्स मानिक मेडिकल स्टोर्स, अहिवारा को स्वीकृत औषधि लाईसेंस/अनुज्ञप्ति को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

आधुनिक तकनीक से सशक्त होगी अपराध विवेचना पुलिस के विवेचकों को मिले मोबाइल डेटा टर्मिनल

अब घटनास्थल से ही होगी ऑनलाइन एफआईआर और बयान दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अपराध विवेचना को अधिक त्वरित, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में दुर्ग पुलिस ने महत्वपूर्ण पहल की है। पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त मोबाइल डेटा टर्मिनल (Samsung Galaxy XCover) सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय दुर्ग के प्रशासनिक भवन स्थित दधिची प्रशिक्षण हॉल में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी में पदस्थ विवेचकों को वितरित किए गए।

इस अवसर पर अधिकारियों की उपस्थिति में विवेचकों को आधुनिक उपकरण सौंपे गए। इन मोबाइल डेटा टर्मिनलों की सहायता से विवेचक अब घटनास्थल से ही एफआईआर, गवाहों के कथन तथा अपराध से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इससे विवेचना की गति तेज होगी, पारदर्शिता बढ़ेगी तथा प्रकरणों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान विवेचकों को निर्देश दिए गए कि वे उपलब्ध कराई गई आधुनिक तकनीक का उपयोग पूरी जिम्मेदारी, दक्षता और निष्ठा के साथ करें, ताकि आम नागरिकों को बेहतर एवं त्वरित पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। दुर्ग पुलिस ने कहा कि डिजिटल पुलिसिंग को प्रभावी बनाने और अपराध विवेचना को आधुनिक तकनीक से सशक्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आमजन से भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई।

आरोपी सोमेश वैष्णव को कलेक्टर ने किया जिलाबदर

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने आरोपी सोमेश वैष्णव के आपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चैन, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत जिलाबदर की कार्यवाही की है। जिला कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी सिंह के आदेशानुसार सोमेश वैष्णव पिता स्वर्गीय गन्नू दास वैष्णव, उम्र 37 वर्ष, साकिन ग्राम अंजोरा, चौकी अंजोरा, थाना पुलगांव, जिला दुर्ग (छ.ग.) को राजस्व जिला दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिले राजनांदगांव, रायपुर, धमतरी, बेमेतरा, बालोद एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों की सीमाओं से आदेश पारित की तिथि से एक सप्ताह के भीतर अपने आपको हटा लेने अथवा बाहर चले जाने कहा गया है। साथ ही बदमाश सोमेश को इस तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी की बिना अनुमति के प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार अनावेदक सोमेश वैष्णव वर्ष 2002 से लगातार अपराध की दुनिया में कदम रखे हुए है। आरोपी के विरुद्ध लूट, अपहरण, उदण्डता करना, लोगों को मारना-पीटना, अवैध रूप से हथियार रखकर शराब की बिक्री करना एवं लड़ाई-झगड़ा कर मारपीट करने जैसे कई गंभीर अपराध करने की आदत है। आरोपी के विरुद्ध थाना पुलगांव में कई अपराध पंजीबद्ध हैं और समय-समय पर पुलिस द्वारा धारा 151/107, 116(3) एवं धारा 110 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई, फिर भी उसके आपराधिक कृत्यों में कोई सुधार नहीं आया है।

नंदिनी नगर पुलिस की कार्रवाई चाय-नाश्ता ठेले से अवैध शराब बेचते हुए आरोपी हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

अवैध शराब बिक्री पर दुर्ग पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। थाना नंदिनी नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रायपुर बायपास रोड, अहिवारा में दबिश देकर एक आरोपी को अवैध शराब बेचते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मनोज साहू उर्फ मोनू साहू अपने चाय-नाश्ता ठेले में बिना अनुमति के देशी मदिरा बेच रहा था। मौके पर की गई तलाशी में उसके कब्जे से 45 पौवा देशी मदिरा मसाला शराब बरामद की गई। जप्त शराब की कुल कीमत 4,500 बताई गई है।

इस तरह हुई गिरफ्तारी

06 जुलाई को थाना नंदिनी नगर को सूचना मिली कि अहिवारा में रायपुर बायपास रोड स्थित चाय-नाश्ता ठेले में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना नंदिनी नगर में अपराध क्रमांक 214/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपी का नाम मनोज साहू उर्फ मोनू साहू, उम्र 25 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 01, अहिवारा, थाना नंदिनी नगर, जिला दुर्ग है। जप्त सामग्री : 45 पौवा देशी मदिरा मसाला शराब, कुल कीमत 4,500 शामिल है।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अवैध शराब, गांजा, अन्य मादक पदार्थ, जुआ, सट्टा और ऑनलाइन सट्टे जैसी गतिविधियों से दूर रहें। ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस या नशा मुक्ति हेल्पलाइन 1933 पर सूचना दें। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वैशाली नगर पुलिस की कार्रवाई, ताश के जुए पर रेड, 10 आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

44 हजार नगद और 9 मोबाइल जप्त, स्टील नगर कैम्प-1 में मकान में चल रहा था अवैध जुआ

जुए के खिलाफ दुर्ग पुलिस की सख्ती जारी है। थाना वैशाली नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर स्टील नगर कैम्प-1 में छापामार कार्रवाई कर ताश के जुए में लिप्त 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 52 पत्ती ताश, 44,100 नगद और 09 मोबाइल फोन जप्त किए गए हैं।

इस तरह हुई कार्रवाई

06 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली कि स्टील नगर कैम्प-1, सत्य साई होटल के पास स्थित ए. सरस्वती के मकान में चंद्रकला उर्फ बुच्ची और कृष्णा देवी द्वारा 52 पत्ती ताश से रुपये-पैसों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खिलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही वैशाली नगर पुलिस की टीम ने मौके पर घेराबंदी कर रेड की। इस दौरान 10 लोग ताश के पत्तों से जुआ खेलते पाए गए। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, जिन्हें घेरकर पकड़ लिया गया। तलाशी में जुआ फड़ से 52 पत्ती ताश, नगदी 44,100 और 09 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया।

किस धारा में केस

आरोपियों के खिलाफ थाना वैशाली नगर में अपराध क्रमांक 282/2026 दर्ज कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 4 और 5 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी में महेश कुमार, निवासी कैम्प-1, सड़क नं. 18, दुबे आटा चक्की के पास, भिलाई, सुरेन्द्र प्रसाद, निवासी सत्य साई होटल के पास, कैम्प-1, भिलाई, आर. राजु राव, निवासी आंध्रा स्कूल के पास, कैम्प-1, भिलाई, राजेश सोनी, निवासी सड़क नं. 18, सत्य साई होटल के पास, कैम्प-1, भिलाई, पी. तरुण, निवासी कैम्प-1, सड़क नं. 18, भिलाई, के. प्रवीण कुमार, निवासी प्रज्ञा विद्यालय के पास, सड़क नं. 18, कैम्प-1, भिलाई, भुजंग राव, निवासी मदर टेरेसा नगर, कैम्प-1, भिलाई, मोहम्मद आजाद, निवासी मुकेश ट्रेडर्स के पास, सड़क नं. 18, कैम्प-1, भिलाई, चंद्रकला उर्फ बुच्ची, निवासी सड़क नं. 18, सत्य साई होटल के पास, कैम्प-1, भिलाई, कृष्णा देवी, निवासी मुकेश टेलर्स के पास, भिलाई, जप्त सामग्रीः 52 पत्ती ताश, नगदी रकम 44,100, 09 मोबाइल फोन शामिल है।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि क्षेत्र में जुआ, सट्टा या अन्य अवैध गतिविधियां दिखें तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वैशाली नगर पुलिस टीम की त्वरित सूचना संकलन और योजनाबद्ध रेड के लिए सराहना की गई है।

हल्की बारिश के बीच ब्रह्माकुमारी संस्थान ने किया पौधरोपण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आनंद सरोवर बघेरा द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रिमझिम बारिश के बीच साधकों एवं श्रद्धालुओं ने कोटनी मार्ग और नेशनल हाईवे बाईपास को जोड़ने वाली नवनिर्मित सड़क के दोनों किनारों पर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने कहा कि सुखी, समृद्ध और संतुलित जीवन के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्रकृति हमारी मां के समान है और पेड़ हमें स्वच्छ वायु, पोषण तथा सुरक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण और वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण पर्यावरण असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो रही है, ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पेड़ लगाए।

उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी इस अभियान की शुरुआत कर लोगों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने की अपील की।

रीटा दीदी ने कहा कि जिस प्रकार मां अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार प्रकृति भी मानव जीवन का संरक्षण करती है। इसलिए अपनी मां के सम्मान और धरती माता की सुरक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी यशोदा बहन, ब्रह्माकुमारी चेतना बहन, माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमार टोमन भाई तथा सेवानिवृत्त रेंजर अधिकारी नायडू सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रदेश में ईंधन में पानी की मिलावट के आरोप

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

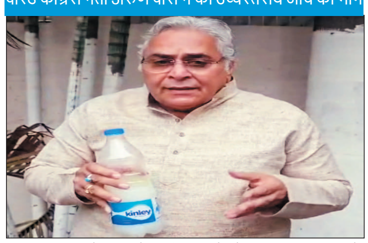

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पेट्रोल एवं डीजल में मिलावट की शिकायतें सामने आने के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ईंधन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं कई वाहन चालकों ने पेट्रोल भरवाने के बाद वाहन बंद होने और इंजन खराब होने की शिकायत की और सरकार को पूरे मामले में पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए।यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या लाखों वाहन चालकों के विश्वास और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन सकती है।

अरुण वोरा ने बताया कि वे स्वयं भी इस समस्या का सामना कर चुके हैं। उन्होंने अपनी कार में डीजल भरवाया था, जिसके वाहन ने स्टार्ट होना बंद कर दिया। इसके बाद जब उन्होंने अपनी कार को जांच एवं मरम्मत के लिए भेजा, तो निरीक्षण के दौरान उन्हें डीजल का एक नमूना दिया गया, जिसमें पानी की मौजूदगी व्यक्त की गई।

वोरा ने कहा, "भाजपा सरकार के तीनों इंजन फेल होने के बाद अब प्रदेश में जनता के वाहनों के इंजन भी खतरे में हैं।"उन्होंने कहा कि एक आम नागरिक अपनी मेहनत की कमाई से वाहन खरीदता है और पूरी कीमत चुकाकर ईंधन भरवाता है। ऐसे में उसे शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण ईंधन मिलना उसका अधिकार है।

वोरा ने सवाल उठाया कि यदि मिलावट के कारण किसी वाहन का इंजन खराब होता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या केवल ईंधन की राशि वापस कर देना पर्याप्त है? उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि प्रदेशभर के पेट्रोल पंपों पर ईंधन की गुणवत्ता की विशेष जांच कराई जाए,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू की जाए।

उन्होंने कहा कि यह केवल ईंधन का मुद्दा नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकारों और उनकी मेहनत की कमाई से जुड़ा गंभीर विषय है। सरकार को इस पूरे मामले में शीघ्र, निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई करनी चाहिए।

सेल और इंडोनेशिया की क्राकाटाऊ स्टील के बीच हुआ समझौता

इंडोनेशिया में बनेगा स्टेनलेस स्टील स्लैब का संयुक्त उद्यम, पीएम मोदी की यात्रा के दौरान एमओयू पर बनी सहमति

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिली है। सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने इंडोनेशिया में स्टेनलेस स्टील स्लैब उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने की संभावना तलाशने हेतु PT Krakatau Steel (Persero) Tbk के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। यह घोषणा 6-8 जुलाई 2026 को हुई भारत-इंडोनेशिया की उच्च स्तरीय बैठकों के दौरान की गई।

क्या है समझौते की अहमियत

यह प्रस्तावित सहयोग दोनों देशों की ताकतों को जोड़ता है। इंडोनेशिया के पास दुनिया के सबसे बड़े निकल भंडार हैं, जो स्टेनलेस स्टील का प्रमुख कच्चा माल है। वहीं SAIL के पास इस्पात उत्पादन, परियोजना क्रियान्वयन और बड़े एकीकृत इस्पात संयंत्रों के संचालन का 5 दशक से अधिक का अनुभव है।

SAIL का कहना है कि प्रस्तावित संयुक्त उद्यम से इंडोनेशिया के खनिज संसाधनों का वैल्यू एडिशन बढ़ेगा और भारत व ASEAN क्षेत्र में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही तकनीकी आदान-प्रदान, कौशल विकास और सतत आर्थिक विकास के नए अवसर भी खुलेंगे।

क्या कहा SAIL CMD ने

SAIL के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा, "यह साझेदारी भविष्य के लिए क्षमता निर्माण की दिशा में SAIL की प्रतिबद्धता दर्शाती है। बुनियादी ढांचे, गतिशीलता, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण में स्टेनलेस स्टील की मांग लगातार बढ़ रही है। PT Krakatau Steel के साथ यह सहयोग भारत-इंडोनेशिया की आर्थिक साझेदारी मजबूत करेगा और दोनों कंपनियों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करेगा।"

उन्होंने कहा कि यह पहल केवल स्टेनलेस स्टील वैल्यू चेन में विस्तार नहीं है, बल्कि दृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, संसाधन सुरक्षा बढ़ाने और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने की दिशा में कदम है।

आगे की प्रक्रिया

प्रस्तावित संयुक्त उद्यम की क्षमता, निवेश संरचना, कार्यान्वयन कार्यक्रम और तकनीकी प्रारूप फीजिबिलिटी स्टडी पूरी होने और दोनों सरकारों की मंजूरी के बाद तय किए जाएंगे।

SAIL के बारे में:

SAIL एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है और भारत का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक है। इसके 5 एकीकृत और 3 विशेष इस्पात संयंत्र हैं। कंपनी बुनियादी ढांचा, रेलवे, रक्षा, ऊर्जा और निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को इस्पात उपलब्ध कराती है।

खास खबर

खाद की पर्याप्त उपलब्धता के सरकारी दावें झूठे, पूरे प्रदेश में डीएपी और यूरिया की किल्लत से बोनी पिछड़ रही है -कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खाद की पर्याप्त उपलब्धता के सरकारी दावों को किसानों के साथ भद्दा मजाक बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि पूरे प्रदेश में खाद की कमी के कारण बोनी और थरहा का काम प्रभावित हो रहा है, किसानी पिछड़ रही है लेकिन सत्ता में बैठे जिम्मेदार केवल फर्जी दावें करके अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग रहे हैं। मात्र 24 हजार टन डीएपी के कागजी आबंटन को अपनी उपलब्धि बता कर श्रेय लेने वाले भाजपा नेताओं को यह बताना चाहिए खुद के ही द्वारा तय लक्ष्य 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन में से केवल 7 लाख 27 हजार 833 मीट्रिक टन खाद ही किसानों को दिया गया है जो कि मांग के आधे से भी कम है। सबसे कम वितरण डीएपी और यूरिया का है जो किसानों के मांग की तुलना में चौथाई भी नहीं है। कभी किस्तों में खाद तो कभी टोकन पर देने के तुगलकी फरमान जारी किए, पिछले साल की तुलना में डीएपी में 40 प्रतिशत कटौती और यूरिया 20 प्रतिशत कम देने का आदेश? फिर टोकन सिस्टम वापस ले लिए, तय लक्ष्य का अब तक आधा भी दिए नहीं फिर यह आबंटन अतिरिक्त कैसे? किसानों को ठगना बंद कर समस्या के समाधान पर ध्यान दे सरकार।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यह पहला अवसर है जब जुलाई के महीने में भी किसानों की जरूरत के आधे मात्रा में भी खाद का वितरण नहीं किया गया है। पहले अप्रैल के महीने में ही वितरण शुरू हो जाता था और जून के महीने तक वितरण लगभग पूर्ण हो जाता था। मानसून आने से पहले ही सोसायटियों के गोदाम से होकर किसानों तक खाद पहुंच चुका होता था, अभी आबंटन जारी होने का दावा किया गया है, इस किसान विरोधी सरकार को बताना चाहिए कि कब भौतिक अलॉटमेंट होगा? कब रैक लगेगी? सोसायटियों और किसानों तक कब पहुंचेगा? सड़कों की मरम्मत तक नहीं करवा पा रही है यह सरकार, बरसात में अनेकों गाँव पहुंच विहीन हो चुके हैं, ऐसे में वहां के किसान कैसे खेती कर पाएंगे?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के किसानों से छल किया है। सोसायटियों में प्रति एकड़ कुल कर्ज में से नकदी और खाद/बीज की मात्रा जो पहले 60 अनुपात 40 था, जिसे अब साय सरकार ने बदलकर 70:30 कर दिया है, अर्थात अब कुल तय लिमिट का केवल 30 प्रतिशत तक ही अधिकतम खाद दिया जायेगा। पिछले खरीफ सीजन में भी खाद का संकट छत्तीसगढ़ के किसानों ने भोगा है, इस बार स्थिति उससे भी खराब दिख रही है। नकली खाद, अमानक खाद, गुणवत्ताहीन नैनो यूरिया के नाम पर घटिया माल खपाने के लिए किसानों को मजबूर किया जा रहा है। एक तरफ सोसाइटीयों में खाद नहीं है, वही सत्ता के संरक्षण में विचलियों और कालाबाजारी करने वालों को खुली छूट है, यूरिया और डीएपी खुले बाजार में तीन से चार गुना महंगे दामों में बिक रहा है, यह सरकार खाद की पर्याप्त उपलब्धता के फर्जी दावें करके किसानों का मखौल उड़ा रही है।

अवैध कबाड़ पर बड़ी कार्रवाई, 22 लाख की संपत्ति की जब्त

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी एवं एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल के मार्गदर्शन में थाना छाल पुलिस ने अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार दूसरे दिन प्रभावी कार्रवाई करते हुए "ऑपरेशन प्रहार" के तहत एक 6 चक्का माजदा वाहन से लगभग 8.5 टन संदिग्ध लोहे का कबाड़ जब्त किया है। कार्रवाई में कुल 22 लाख मूल्य की संपत्ति जब्त कर आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कारेवाई की गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक नासिर खान को मुखबिर से सूचना मिली कि हाटी क्षेत्र से एक 6 चक्का ट्रक में बड़ी मात्रा में लोहे का स्क्रैप भरकर छाल होते हुए घरघोड़ा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने थाना बैरियर पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की सघन जांच शुरू कराई। जांच के दौरान महिंद्रा 6 चक्का वाहन क्रमांक CG-12 BD-1623 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में तिरपाल के नीचे विभिन्न प्रकार के लोहे के स्क्रैप, एंगल, टीना एवं अन्य कबाड़ सामग्री लोड मिली। चालक से परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका।

"धान के कटोरे" ने बरसाए स्वर्ण पदक

दक्षिण अफ्रीका में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का जलवा, अब तक 3 गोल्ड भारत की झोली में

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-रायपुर

प्रियंक मिश्रा और अमान शुक्ला ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में जीता गोल्ड

दक्षिण अफ्रीका में चल रही एशियन, पैसिफिक एवं अफ्रीकन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने देश का परचम लहराया है। प्रतियोगिता के पांचवें दिन प्रदेश के दो खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया।

93 किलोग्राम ओपन वर्ग में प्रियंक मिश्रा बिलासपुर और 120 किलोग्राम जूनियर वर्ग में भिलाई इस्पात संयंत्र के नॉन-वार्ड खिलाड़ी अमान शुक्ला ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों के लिए यह पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी और पहले ही प्रयास में स्वर्ण जीतकर उन्होंने इतिहास रच दिया।

इससे पहले प्रतियोगिता के पहले दिन जयदीप साहू ने 66 किलोग्राम सीनियर वर्ग में स्वर्ण जीतकर भारत को पहला गोल्ड दिलाया था। इस तरह अब तक छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर विश्व मंच पर प्रदेश की खेल प्रतिभा का शानदार परिचय दिया है।

कोच और संघ ने दी बधाई

भारतीय टीम के कोच और भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिक कृष्णा साहू के अनुशासित प्रशिक्षण को इस सफलता का श्रेय दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश जैन बरमेचा ने इसे अपने कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा, "छत्तीसगढ़ अब केवल धान का कटोरा नहीं, बल्कि स्वर्ण पदक विजेताओं की धरती भी बन रहा है।" उन्होंने इस सफलता का श्रेय छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त राकेश पांडे के निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन को भी दिया।

आज से क्लासिक चैंपियनशिप शुरू

कोच कृष्णा साहू ने बताया कि आज 8 जुलाई से प्रतियोगिता का दूसरा चरण क्लासिक यानी Un-Equipped पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप शुरू हो रही है। इसमें 66 किलोग्राम वर्ग में जयदीप साहू एक बार फिर भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए टीम से और पदकों की उम्मीद है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने तीनों स्वर्ण विजेताओं को बधाई दी है और आगामी मुकाबलों के लिए टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

महादेव ऐप का संचालक सौरभ ओमान में अरेस्ट

नईदिल्ली। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप संचालक सौरभचंद्राकर ओमान में अरेस्ट हुआ है। उस पर फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के जरिए ओमान में प्रवेश करने का आरोप है। चंद्राकर पिछले कुछ समय से संयुक्त अरब अमीरात में रह रहा था। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, सौरभको भारतीय एजेंसियों द्वारा जारी इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद भारत सरकार ने उसे वापस लाने के लिए ओमान को औपचारिक प्रत्यर्पण की तैयारियों में जुटी है। चंद्राकर को मस्कट स्थित हाई-सिक्योरिटी अल खौद डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान, शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए पर्यटन और संस्कृति मंत्री राजेश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज स्वामी आत्मानंद गवनर्मेंट स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (अंग्रेजी माध्यम), ब्रम्हरोड अंबिकापुर में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ नए शैक्षणिक सत्र का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा को जीवन में सफलता का सबसे प्रभावी माध्यम बताया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने और बेटियों को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्राओं को साइकिल वितरण केवल एक योजना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे बेटियों की विद्यालय तक सुरक्षित और सुगम पहुँच सुनिश्चित होगी तथा वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में और अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगी।

उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। विद्यार्थी पूरे मनोयोग से अध्ययन करें, अनुशासन और मेहनत को अपना जीवन मंत्र बनाएं तथा अपने माता-पिता, शिक्षकों और प्रदेश का नाम रोशन करें। आज का परिश्रम ही कल की सफलता का आधार बनेगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक नवाचार कर रही है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के माध्यम से प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो रहे हैं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई : नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

चंद घंटों में पीड़िता को किया बरामद, बोलेरो वाहन भी जब्त

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर

थाना अंतागढ़ पुलिस ने नाबालिग बालिका का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में मुख्य आरोपी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कुछ ही घंटों में पीड़िता को भी सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार घटना वाले दिन पीड़िता स्कूल गई थी। इसी दौरान आरोपी विनय नुरेटी अपने साथी मंजीत उसेंडी के साथ स्कूल के पास से उसे बोलेरो वाहन में जबरन ले गया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी विनय नुरेटी पिछले कई महीनों से पीड़िता को अपने प्रेम जाल में फंसा कर जबरदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। इसी क्रम में दोनों आरोपियों ने अपहरण की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने ऐसे पकड़ा

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उत्तर बस्तर कांकेर निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के पयर्वेक्षण में थाना प्रभारी अंतागढ़ के नेतृत्व में तत्काल टीम गठित की गई। तकनीकी विश्लेषण की मदद से आरोपियों का पता लगाकर पीड़िता को बरामद किया गया और दोनों को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना अंतागढ़ में अपराध क्रमांक 45/2026 धारा 137(2), 49, 64(2)(ट), 65(1), 3(5) बीएनएस एवं 4, 6, 17, 18 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया है।

गिरफ्तार आरोपी में

विनय नुरेटी पिता चैनू राम नुरेटी, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम घुमासीमुंडा, थाना अंतागढ़, जिला कांकेर मंजीत उसेंडी पिता श्याम लाल उसेंडी, उम्र 29 वर्ष, निवासी लाटापारा, अंतागढ़, जिला कांकेर शामिल हैं। उनसे बरामद सामग्री में प्रयुक्त बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 19 बीआर 9838 को भी पुलिस ने जब्त किया है। कार्रवाई में निरीक्षक प्रहलाद यादव, उप निरीक्षक आलोक सुबोध, हेमलता परिहार, पीएसआई लता सिंह, नकुल पैकरा, सउनि कन्हैया मरकाम, आर रोशन नेताम और महिला आर चाँदनी उसेंडी की टीम शामिल थी। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि संदिग्ध या आपराधिक गतिविधियों की जानकारी हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पत्रकार वार्ता : नकटी में किया गया तोड़फोड़ भाजपा सरकार का अपराधिक कार्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजीव भवन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धनेन्द्र साहू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार शंकर मेनन, जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे एवं नकटी मामले की कमेटी के सदस्यों ने पत्रकार वार्ता लेकर नकटी मामले सरकार पर क्रूरता के आरोप लगा था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कहा कि नकटी में किया गया तोड़ फोड़ भाजपा सरकार की अपराधिक कार्य था। बिना किसी कार्य योजना के गरीबो के मकानो को तोड़ा गया। भाजपा सरकार ने गरीबो का मकान तोड़ कर जो क्रूरता दिखाई है। उसके चौतरफा विरोध के बाद लगातार सरकार झूठ परोस रही है। भाजपा की सरकार 50 वर्षों से नकटी गांव में रह रहे गरीबों के घर को तोड़कर अपने तानाशाही चरित्र को प्रदर्शित किया है विधायकों का आवास बनाने के लिए अन्य सरकारी जमीनों का उपयोग करना था लेकिन नकटी गांव की जनता के प्रति भाजपा की दुर्भावना सामने आई है। नकटी गांव की जनता के घरों को अवैध बताने वाली भाजपा की सरकार जवाब दे जब वह जमीन अवैध थी वहां प्रधानमंत्री आवास कैसे बन गया नकटी में निवास कर रहे लोगों का राशन कार्ड आधार कार्ड उनके घरों पर बिजली कैसे पहुंच गई। नकटी गांव के नागरिकों से बिना चर्चा किये आधी रात को उनके घरों पर बुलडोजर चलाया गया बारिश के मौसम में गरीबों को घर से बेघर किया गया यह अन्याय है कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है।

इस कार्यवाही में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। सरकार कानूनी कार्यवाही नहीं करेगी तो हम इस मामले को लेकर कोर्ट भी जायेंगे। सरकार ने नकटी में खसरा न. 460 में तोड़ फोड़ किया है, अंकित आनंद के पत्र के अनुसार वहां पर खसरा नं. 460 के अलावा 465, 524, 698, 700, 701 सहित कुल 29.172 हेक्टयर अर्थात लगभग 72 एकड़ जमीन को खाली करायेंगे। इसका मतलब अभी खतरा पूरे गांव पर है। भाजपा सरकार ने नकटी में ग्रामीणों के मकानों को बरसात के मौसम में तोड़ने का महापाप किया है, गरीबों के आवास को उजाड़ने के बाद अपना पाप छुपाने के लिए भाजपा के नेता रोज पत्रकार वार्ता लेकर झूठ बोल रहे है। सरकार बताये कि उसने नकटी के ग्रामीणों के मकानों को क्यों तोड़ा? नया रायपुर में विधायक कॉलोनी बनाने के लिए पर्याप्त जगह होने के बाद किसके इशारे पर तथा किस मंत्री के निजी हितों को ध्यान में रखकर नकटी गांव में तोड़-फोड़ की गयी?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन मंत्री केदार कश्यप पत्रकारवार्ता लेकर कहते है कि वहां पर विधायकों के लिये मकान बनाने का कोई योजना नहीं है। अक्टूबर 2024 में आवास एवं पर्यावरण सचिव कलेक्टर को पत्र लिखकर षष्ठम विधानसभा के जनप्रतिनिधियों को आवास उपलब्ध करवाने हेतु नकटी में अतिक्रमण भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिये कहा था। इस पत्र में आयुक्त छ.ग. गृह निर्माण मंडल के पत्र क्र. 58 25 सितंबर 2024 का हवाला भी दिया है। यह पत्र बताता है कि भाजपा नेताओ कि हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन है, उन्होंने अपनी सरकार की गलती छुपाने झूठ बोला है।

विधानसभा में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा जब भाजपा विधायक धमर्जीत सिंह के सवाल का जवाब दे रहे थे, उस समय उनको बताते हुये आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने स्पष्ट किया कि नकटी गांव में विधायकों के लिये आवास हेतु जगह चिन्हांकित है। भाजपा नेता लगातार झूठ बोल रहे कि कांग्रेस के शासनकाल में विधायकों को आवास देने की योजना बनी तथा नकटी को चिन्हांकित किया गया। तथ्य यह है कि कांग्रेस के शासनकाल में नकटी में विधायकों के आवास बनाने की कोई योजना नहीं बनी और न ही किसी को विस्थापन करने का कोई नोटिस दिया गया। हम केदार कश्यप को चुनौती देते है कि वे एक भी नोटिस एक भी शासकीय आदेश दिखा दें।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश में लोगों पर अत्याचार करके आम आदमी के मकानों को तोड़ कर अराजकता सरकार फैला रही और गरीबों की आवाज उठाने पर कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का बेशर्मीपूर्वक आरोप पर लगा रही है। भाजपाई मंत्री, कांग्रेस पर आरोप लगाकर अपने सरकार के अपराध को छुपा नहीं सकते। भाजपा झूठ बोल रहे कांग्रेस सरकार के समय नकटी में विधायक आवास बनाने की योजना स्वीकृत हुई थी। कांग्रेस सरकार में वहां पर विधायक आवास बनाने की प्रस्ताव आया था लेकिन कांग्रेस सरकार ने खारिज कर दिया था। किसी भी विस्थापन की कार्यवाही के पहले व्यवस्थापन होना था, सरकार ने बिना व्यवस्थापन कार्य को पूरा किये वहां पर रह रहे लोगो को समान हटाने का अवसर दिये बिना तोड़-फोड़ किया, उनके घरो में बुलडोजर चलवाया। जहां पर व्यवस्थापन किया गया, वह भी वर्तमान निवास से बहुत दूर है। 1 कमरे के घर में 20 से 25 सदस्यीय परिवार को व्यवस्थापन दिया गया है। उनका गुजारा कैसे होगा? वहां पर बिजली, पानी जैसी मूलभूत जरूरते भी नहीं है।

पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक अनिता शर्मा, पूर्व महामंत्री पंकज शर्मा, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा, भावेश बघेल, वरिष्ठ प्रवक्ता सत्य प्रकाश सिंह, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आशीष वर्मा, रिषभ चंद्राकर उपस्थित थे।

संपादकीय

तीजन बाई मतलब पंडवानी व पंडवानी मतलब तीजन बाई

माना जाता है,कहा जाता है कि कला को जब कोई कलाकार बहुत ऊंचाई तक ले जाता है तो कला से कलाकार की पहचान होती है,कला के कारण कलाकार को जाना पहचाना जाता है।उसे बड़ा कलाकार माना जाता है, महान कलाकार माना जाता है।कला तो हमेशा रहती है, कला के साधक भी हमेशा रहते हैं लेकिन कोई कोई कला का साधक ऐसा होता है,उसकी कला की साधना ऐसी होती है कि कला ऐसी ऊंचाई पर पहुंच पाती है जिसकी कोई कल्पना नहीं किया होता है।जब कला को कोई ऐसा साधक होता है तो कला से वह नहीं पहचाना जाता है, उसके कारण कला की एक नई पहचान बनती है, उसके कारण कला को देश व दुनिया में जाना जाता है।छत्तीसगढ़ महतारी की लोककला साधिका बेटी तीजन बाई ऐसी ही कला साधिका थीं।उन्होंने पंडवानी की ऐसी साधना की कि आज पंडवानी के कारण तीजन बाई को नहीं पहचाना जाता है, तीजन बाई के कारण पंडवानी को लोग देशविदेश में जानते हैं।

कई महीनों से अस्वस्थ रहने के बाद देश के दूसरे सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित देश विदेश में पंडवानी गायिका के तौर पर जानी जाने वाली तीजनबाई का पांच जुलाई को निधन छत्तीसगढ़ ही नहीं लोककला की दुनियां की अपूरणीय क्षति है, लोकगायिका के तौर पर लोकगायिकी के क्षेत्र में उन्होंने जो जगह बनाई थी,उस जगह को कोई नही भर सकता। जब भी पंडवानी का कार्यक्रम होगा तो उनकी याद आएगी। उनको याद किया जाएगा।वह लोकगायिकी से कला के आसमान पर जिस ऊंचाई पर पहुंची थी,वह लोकगायिकाओं के लिए एक उदाहरण है कि गरीबी,कठिनाई के बाद भी कला के प्रति समर्पण,निरंतर अभ्यास, नया करने की हिम्मत हो तो कला के हर आसमान की ऊंचाई पर पहुंचा जा सकता है। अपनी ऐसी पहचान बनाई जा सकती है कि कला से कलाकार की नहीं कलाकार से कला को पहचाना जाता है।

दुर्ग जिले के अटारी गांव के शिकारीपारा में पारधी परिवार में तीज के दिन जन्म होने के कारण तीजन रखा गया था। पिता का नाम छुनुकलाल पारधी, माता का नाम सुखबती था।उनका बचपन गरीबी, अभाव में बीता। माना जाता है कि पुराने जन्मों के संस्कार कभी अचानक जाग जाते हैं और एक महान कलाकार की कलायात्रा शुरू होती है।बताया जाता है कि तीजन एक बार अपने गंदे पैर धोने तालाब जा रही थी। उनके नाना के छोटे भाई बृजलाल पारधी अपनी झोपड़ी में इकतारे के साथ चीरहरण प्रसंग में द्रोपदी की भगवान श्रीकृष्ण से लाज बचाने के लिए करुण पुकार को सुना तो उनके भीतर कुछ ऐसा बदल गया कि वह दूसरे दिन फिर पंडवानी सुनने पहुंची तो बृजलाल ने उनको पकड़ लिया।तब तीजन ने उनको बताया कि पंडवानी सुनना,गाना उनको अच्छा लगता है। तीजन ने उनको एक दिन सुना पूरा प्रसंग सुना दिया तब बृजलाल समझ गए कि यह साधारण बच्ची नहीं है। उसके बाद बृजलाल ने उनको पंडवानी की बारीकियां सिखाई।उसके बाद चंदखुरी के उमेंद सिंह देशमुख से भी उन्होंने पंडवानी की बारीकियां सीखीं। उनका पंडवानी का पहला कार्यक्रम भी चंदखुरी में हुआ था।

पंडवानी सीखने के बाद उनकी पंडवानी गायन का घर से लेकर गांव तक में विरोध हुआ।मां ने घर से निकाल दिया,पति ने अपनाने से मना कर दिया लेकिन तीजन ने पंडवानी को नहीं छोड़ा, निरंतर पंडवानी का अभ्यास करती रहीं।जहां भी उनका पंडवानी का कार्यक्रम होता वहां तो उनको लोगों की खूब तालियां मिलती थी लेकिन गांव में लौटने पर ताने भी सुनने पड़ते थे।उनको पंडवानी से सबसे ज्यादा प्यार था, लोगों ने उनको पंडवानी के कारण छोड़ दिया लेकिन तीजन ने पंडवानी को कभी नहीं छोड़ा। बताया जाता है कि 1971 में भिलाई मड़ई से मिले बड़े मंच से उनकी जिंदगी बदल गई। उसके बाद दिल्ली के अशोका होटल,भारत भवन,देश भर में प्रतिष्ठित आयोजनो में उनको बुलाया जाने लगा। उसके बाद विदेशों में भी उन्होंने जाकर कई कार्यक्रम दिए और देश के साथ ही विदेशों में भी उस पंडवानी को जिसे गांव के चौपालों तक जाना जाता था,तीजन बाई के कारण देश विदेश में पंडवानी को नई पहचान मिली और पंडवानी मतलब तीजन बाई हो गया और तीजन बाई मतलब पंडवानी हो गया। कहीं भी कोई पंडवानी कहता था लोगों के जेहन में एक ही तस्वीर उभरती थी तीजन बाई की।

भारतीय लोककला में उनके अप्रतिम योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री,पद्मभूषण व पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया था।इसके अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार,श्रेष्ठ कला आचार्य सम्मान, देवी अहल्या सम्मान,एसएस सुब्बुलक्ष्मी शताब्दी पुरस्कार,मानद डी लिट सहित अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।महान लोककला साधिका के के सम्मान में शिक्षामंत्री गजेद्र यादव ने घोषणा की है कि गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकंडरी स्कूल का नाम बदलकर ड़ा तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकंडरी स्कूल रखा जाएगा।वही विधायक रिकेश सेन ने वैशालीनगर में प्रस्तावित आडिटोरियम का नाम तीजन बाई आडिटोरियम रखने की घोषणा की है। उम्मीद है कि सरकार भी उनकी स्मृति तो चिरस्थायी बनाए रखने के लिए जरूर कुछ न कुछ करेगी।तीजनबाई महिलाओं के लिए हमेशा प्रेरणा बनी रहेंगी और यह संदेश देती रहेंगी की तुम्हारे लिए असंभव कुछ भी नहीं है, अगर कुछ करना चाहती है, पाना चाहती हो।झुको मत,टूटो मत,आगे बढ़ती रहो,रास्ता बनाता जाएगा।

डूबते शहर, ठहरती ज़िन्दगी और खोखला विकास

अशोक भाटिया

हर साल मानसून के दस्तक देते ही देश के बड़े महानगरों से लेकर टियर-2 और टियर-3 शहरों से डराने वाली तस्वीरें सामने आने लगती हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई व मुंबई के पास वसई विरार के जलमग्न ट्रैक, बेंगलुरु के टेक-कॉरिडोर में तैरती नावें, दिल्ली की सड़कों पर लगा मीलों लंबा जाम, और चेन्नई से लेकर गुवाहाटी जैसे भौगोलिक रूप से भिन्न शहरों का पानी-पानी हो जाना अब कोई असाधारण घटना नहीं रह गया है। यह अब हमारी सालाना नियति बन चुकी है।

शहरी बाढ़ आज भारत के लिए केवल एक मौसमी आपदा नहीं, बल्कि एक गंभीर संरचनात्मक, आर्थिक और नीतिगत संकट है। विश्व बैंक और प्रमुख शोध पत्रिकाओं की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है जहाँ बाढ़ संभावित क्षेत्रों में शहरी बस्तियों का विस्तार सबसे तीव्र गति से हुआ है। जब तक हम इस संकट की तह में जाकर इसके मानव-निर्मित कारणों को स्वीकार नहीं करेंगे, तब तक भारत के स्मार्ट सिटी बनने का सपना हर मानसून में पानी में बहता रहेगा।

शहरी बाढ़ को अक्सर सामान्य ग्रामीण बाढ़ की तरह समझने की भूल की जाती है, जबकि दोनों के चरित्र और प्रभाव में जमीन-आसमान का अंतर है। ग्रामीण बाढ़ मुख्य रूप से नदियों के जलस्तर बढ़ने या उनके तटबंध टूटने से मैदानी इलाकों में धीरे-धीरे फैलती है। इसके विपरीत, शहरी बाढ़ एक अत्यधिक केंद्रित, तीव्र और मानव-निर्मित आपदा है। शहरीकरण के कारण कंक्रीट की अभेद्य सतहों का निर्माण होता है, जिससे जलभराव की गति सामान्य से 1.8 से 8 गुना तक बढ़ जाती है और पानी की मात्रा में 6 गुना तक की वृद्धि देखी जाती है। शहरों में घनी आबादी और अरबों रुपयों का बुनियादी ढांचा दांव पर होता है। चंद घंटों की मूसलाधार बारिश पूरे शहर के परिवहन, बिजली ग्रिड, इंटरनेट संचार और स्वास्थ्य सेवाओं को घुटनों पर ला देती है।

शहरी बाढ़ के कारणों को केवल प्रकृति का प्रकोप कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। इसके पीछे अनियोजित विकास और प्रशासनिक लापरवाही की एक लंबी कतार है । शहरों के पास जो तालाब, झीलें और दलदली भूमि थीं, वे प्राकृतिक स्पंज या बफर का काम करती थीं, जो अतिरिक्त वर्षा जल को सोख लेती थीं। लेकिन रियल एस्टेट और अनियोजित शहरी विस्तार की भूख ने इन जल निकायों को निगल लिया है। उदाहरण के लिए, बेंगलुरु ने पिछले कुछ दशकों में अपने अंतर्संबंधित झीलों के तंत्र का एक बहुत बड़ा हिस्सा कंक्रीट की इमारतों के कारण खो दिया है। चेन्नई और हैदराबाद में भी बाढ़ के मैदानों पर बहुमंजिला इमारतें और मॉल खड़े कर दिए गए हैं, जिससे पानी के बहने और ठहरने का प्राकृतिक रास्ता ही बंद हो गया है।

भारत के अधिकांश महानगर आज भी दशकों पुराने, और मुंबई जैसे शहर तो औपनिवेशिक काल के ड्रेनेज सिस्टम पर निर्भर हैं। यह बुनियादी ढांचा उस समय की आबादी और वर्षा के पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाया गया था। मिसाल के तौर पर, मुंबई का पुराना ड्रेनेज सिस्टम प्रति घंटे अधिकतम 25 मिमी बारिश का पानी निकालने की क्षमता रखता था, जबकि आज जलवायु परिवर्तन के कारण शहरों में प्रति घंटे 100 मिमी से अधिक की अति-तीव्र बारिश हो रही है। इस बढ़ी हुई क्षमता को संभालने में हमारे शहरों की संकरी और गाद से भरी नाली प्रणालियाँ पूरी तरह अक्षम हैं।

विकास के नाम पर मिट्टी की जगह डामर और कंक्रीट ने ले ली है? फुटपाथों से लेकर घरों के आंगनों तक को पक्का कर दिया गया है, जिससे जमीन के भीतर पानी रिसने की दर शून्य हो गई है? रही-सही कसर हमारा खराब ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पूरी कर देता है? सिंगल-यूज प्लास्टिक, थर्माकोल और निर्माण का मलबा बरसाती नालों और नालियों के मुहानों को जाम कर देते हैं? मानसून से पहले कागजों पर तो नालियों की सफाई दिखाई जाती है, लेकिन हकीकत पहली ही बारिश में सड़कों पर तैरते कचरे के रूप में सामने आ जाती है। आज वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण मानसून का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। अब बारिश के दिनों की संख्या तो कम हो रही है, लेकिन कम समय में अत्यधिक तीव्र वर्षा की घटनाएं कई गुना बढ़ गई हैं? जब कुछ ही घंटों में पूरे महीने भर का पानी बरस जाएगा, तो बिना आधुनिक और वैज्ञानिक प्रबंधन के कोई भी पारंपरिक शहर पानी में डूबने से खुद को नहीं बचा सकता।

शहरी बाढ़ केवल कुछ दिनों का जलभराव नहीं है, इसके दीघर्कालिक परिणाम बेहद डरावने हैं:आर्थिक चोटः रिसर्च फर्मों और की रिपोर्टों के अनुसार, केवल बेंगलुरु में 2022 की एक दिन की बाढ़ से आईटी कॉरिडोर को लगभग 225 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। अनुमान है कि 2030 तक भारतीय शहरों को शहरी बाढ़ के कारण सालाना 5 अरब डॉलर तक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मानवीय और सामाजिक लागतः बाढ़ का सबसे क्रूर प्रहार समाज के सबसे निचले तबके यानी झुग्गी-झोपड़ियों और दैनिक मजदूरों पर होता है। निचले इलाकों में रहने वाले इन गरीबों के आशियाने उजड़ जाते हैं, आजीविका छिन जाती है और वे विस्थापित होने पर मजबूर हो जाते हैं। महामारियाँ और स्वास्थ्य संकटः बाढ़ का गंदा पानी जब पीने के पानी की लाइनों में मिल जाता है, तो हैजा, टायफाइड, डेंगू, मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रकोप तेजी से फैलता है?

अब समय रिएक्टिव (आपदा आने पर जागना) रवैये को छोड़कर प्रोएक्टिव (पहले से तैयारी) दृष्टिकोण अपनाने का है। इसके लिए निम्नलिखित बहु-स्तरीय समाधानों को युद्धस्तर पर लागू करना होगा। जैसे स्पंज सिटी की अवधारणा को अपनाना । आज चीन और कई यूरोपीय देशों की तर्ज पर भारतीय शहरों को स्पंज में बदलना होगा। इसका अर्थ है कि शहर की रूपरेखा ऐसी हो जो वर्षा जल को बहने देने की बजाय खुद में सोख ले। इसके लिए:शहरों में पारगम्य कंक्रीट और ऐसी सड़कों का निर्माण किया जाए जिसके नीचे पानी जमीन में जा सके। शहरी वनीकरण पार्कों और रेन गार्डन्स को बढ़ावा दिया जाए ताकि हरी-भरी सतहें पानी के वेग को कम कर सकें। ब्लू (जल निकाय जैसे झील, तालाब, नदियाँ) और ग्रीन (पार्क, पेड़-पौधे) के समन्वय से ही शहरों को बचाया जा सकता है। दिल्ली के मास्टर प्लान 2041 में इस अवधारणा को शामिल किया गया है। चेन्नई नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी मिशन के तहत झीलों के जीर्णोद्धार की पहल एक सराहनीय उदाहरण है, जहाँ गाद निकालकर तालाबों की जल संचयन क्षमता को बढ़ाया गया है। इस मॉडल को देशव्यापी बनाना होगा।शहरी स्थानीय निकायों को आने वाले 50 वर्षों के वर्षा अनुमानों और जलवायु परिवर्तन के आंकड़ों के आधार पर अपने ड्रेनेज सिस्टम को रीडिजाइन करना चाहिए। नालियों की केवल मानसून से पहले सफाई नहीं, बल्कि चौबीसों घंटे निगरानी होनी चाहिए। केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी संगठन के मानकों के अनुसार ड्रेनेज नेटवर्क का विस्तार अनिवार्य किया जाना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता , भौगोलिक सूचना प्रणाली और इंटरनेट ऑफ थिंग्स सेंसर की मदद से जलभराव वाले हॉटस्पॉट की रीयल-टाइम मैपिंग की जानी चाहिए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ह्यमौसम ऐपह्न और स्थानीय अलर्ट सिस्टम को इतना सटीक होना चाहिए कि भारी बारिश से दो घंटे पहले ही निचले इलाकों के नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके या यातायात को डायवर्ट किया जा सके। इसके अलावा, अंडरपास और सबवे में पानी भरने से रोकने के लिए आधुनिक इन्फ्लेटेबल फ्लड बैरियर्स जैसी तकनीकों का त्वरित उपयोग किया जाना चाहिए। बाढ़ के मैदानों और प्राकृतिक नालों पर निर्माण को पूरी तरह नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित कर कानूनी रूप से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। सरकार की अटफ्ब्ळ 2.0 योजना के तहत बरसाती नालों को जल निकायों से जोड़ने और मॉडल बिल्डिंग बाय-लॉज के तहत 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भूखंडों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) को अनिवार्य बनाने के नियम को कड़ाई से जमीन पर लागू करना होगा।

शहरी बाढ़ अब केवल एक प्रशासनिक समस्या या इंजीनियरिंग की खामी नहीं है; यह हमारे विकास के प्रतिमानों पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। कंक्रीट के बेतरतीब जंगल खड़े करके हम खुद को वैश्विक महाशक्ति या स्मार्ट नहीं कह सकते, यदि हमारी अर्थव्यवस्था और जनजीवन चार घंटे की बारिश भी न झेल सके। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2010 में ही शहरी बाढ़ प्रबंधन के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन वे आज भी नगर निगमों की फाइलों में धूल फांक रहे हैं। केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों के बीच राजनीतिक और प्रशासनिक समन्वय के बिना इस संकट से पार पाना असंभव है। यदि हम चाहते हैं कि हमारे शहर देश की आर्थिक प्रगति के इंजन बने रहें, तो हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाना ही होगा। पानी अपना रास्ता खुद ढूंढ लेता है; यदि हम उसे उसका रास्ता नहीं देंगे, तो वह हमारे घरों, दफ्तरों और तरक्की के रास्तों में घुसकर सब कुछ तबाह करता रहेगा। समय आ गया है कि हम बाढ़-लचीले शहरी नियोजन को अपनी सवीच्च राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाएं, अन्यथा हर साल मानसून का आगमन उत्सव की जगह एक त्रासदी बनकर आता रहेगा।

जींद से देश को मिलेगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। भारत अब जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाड्रोजन ट्रेन वाला आठवां देश बन जायेगा जिसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। हरियाणा के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 जुलाई को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह केवल एक नई रेल सेवा की शुरुआत नहीं, बल्कि भारत के हरित भविष्य, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता का प्रतीक भी है।

हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन के साथ भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जिन्होंने स्वच्छ ईंधन आधारित रेल परिवहन को अपनाया है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस और स्वीडन जैसे विकसित देशों के बाद भारत हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अपनाने वाला आठवां देश बनने जा रहा है। यह उपलब्धि भारत की बढ़ती तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगी।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन? : हाइड्रोजन ट्रेन ऐसी रेलगाड़ी होती है जो डीजल के स्थान पर हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग करती है।इसमें हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के माध्यम से बिजली उत्पन्न की जाती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा उत्पादन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं होता, बल्कि केवल जलवाष्प और पानी निकलता है। यही कारण है कि इसे पर्यावरण के अनुकूल और भविष्य की परिवहन प्रणाली माना जा रहा है। विश्व भर में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने के लिए हाइड्रोजन ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रेलवे भी वर्ष 2030 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, जिसमें हाइड्रोजन ट्रेनें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारतीय रेलवे के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि: देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) में तैयार किए गए हैं। इस परियोजना का सफल परीक्षण भी पूरा हो चुका है, जिससे इसके सुरक्षित और प्रभावी संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। रेलवे विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों की तुलना में अधिक पर्यावरण-अनुकूल होने के साथ-साथ कम शोर उत्पन्न करती है। इसके संचालन से ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी तकनीक को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रीन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

हरियाणा के विकास को मिलेगा नया आयाम: जींद से हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन का निर्णय हरियाणा के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इससे प्रदेश की औद्योगिक, आर्थिक और तकनीकी पहचान को नई मजबूती मिलेगी। रेलवे अवसंरचना के विकास से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएँ बढ़ेंगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। हरियाणा पहले से ही ऑटोमोबाइल, विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है। अब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन प्रणाली के जुड ? से राज्य आधुनिक तकनीक और हरित विकास का केंद्र बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: वर्तमान समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। परिवहन क्षेत्र कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा स्रोत है। ऐसे में हाइड्रोजन आधारित रेल सेवाएं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती हैं। हाइड्रोजन ट्रेनें न केवल वायु प्रदूषण को कम करेंगी, बल्कि ध्वनि प्रदूषण में भी कमी लाएंगी। इनके व्यापक उपयोग से जीवाश्म ईंधनों की खपत घटेगी और ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा : हाइड्रोजन ट्रेन का सफल संचालन भारत की तकनीकी क्षमता और अनुसंधान कौशल का परिचायक है। आज भारत केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार और आधुनिक समाधानों का निर्माता भी बनकर उभर रहा है। सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के बाद हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भारत की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रही है। यह पहल विश्व समुदाय को भी यह संदेश देती है कि भारत आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध है।

जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ भारतीय रेलवे के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सतत विकास के भारत के संकल्प का प्रतीक है। आने वाले समय में यदि हाइड्रोजन तकनीक का विस्तार व्यापक स्तर पर होता है, तो भारत न केवल परिवहन क्षेत्र में क्रांति ला सकेगा, बल्कि वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में भी अग्रणी भूमिका निभा सकेगा। 17 जुलाई का दिन भारतीय रेलवे और हरियाणा दोनों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि का साक्षी बनने जा रहा है।

गगनयान के परीक्षणों में इसरो को मिली बड़ी सफलता

महेन्द्र तिवारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने एक बार फिर अपनी तकनीकी क्षमता और दृढ़ संकल्प का लोहा मनवाया है। भारत के पहले मानव युक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान की दिशा में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया गया है। इसरो ने गगनयान मिशन के लिए अपने इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट और सब ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स यानी सॉल्वे सॉलिड मोटर का पहला ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह सफलता केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत अब अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने की अत्यंत जटिल तकनीक में पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो रहा है। गगनयान मिशन का मुख्य उद्देश्य तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग चार सौ किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाना और तीन दिन के सफल मिशन के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। इस पूरे मिशन में सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहलू अंतरिक्ष यात्रियों की पुख्ता सुरक्षा है और हाल ही में किए गए ये परीक्षण सीधे तौर पर इसी सुरक्षा प्रणाली से जुड़े हुए हैं।

सॉल्वे सॉलिड मोटर का सफल परीक्षण क्रू एस्केप सिस्टम की विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए एक बहुत बड़ा और निर्णायक कदम है। यह एक विशेष प्रकार का रॉकेट है जिसे इसरो ने विशेष रूप से केवल गगनयान के क्रू मॉड्यूल के उड़ान परीक्षणों के लिए विकसित किया है। इस सॉलिड मोटर को पीएसएलवी रॉकेट के स्ट्रैप ऑन मोटर के आधार पर तैयार किया गया है लेकिन इसमें गगनयान मिशन की विशेष और सख्त आवश्यकताओं के अनुसार कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इसमें धीमी गति से जलने वाले प्रोपेलेंट का उपयोग किया गया है ताकि यह आवश्यक समय तक लगातार और नियंत्रित ऊर्जा प्रदान कर सके। इसके साथ ही इसमें सेकेंडरी इंजेक्शन थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल जैसी अत्यधिक उन्नत तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक रॉकेट की दिशा को सटीक रूप से नियंत्रित करने में मदद करती है। इस मोटर का मुख्य काम उड़ान के दौरान किसी भी आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों वाले क्रू मॉड्यूल को मुख्य रॉकेट से तुरंत एक सुरक्षित दूरी पर खींच ले जाना है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में किया गया यह ग्राउंड टेस्ट यह साबित करता है कि मोटर का प्रदर्शन इसरो के कड़े मानकों पर पूरी तरह से खरा उतरा है।

इसके साथ ही इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट भी अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष से अपना मिशन पूरा करके वापस पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा तो उसकी गति अत्यधिक तीव्र होगी। इस भयंकर गति को कम करने और भारी क्रू मॉड्यूल को समुद्र की सतह पर बहुत ही सुरक्षित रूप से उतारने के लिए पैराशूट प्रणाली का बिना किसी चूक के काम करना आवश्यक है। इसरो ने इस रिकवरी प्रणाली में कुल दस पैराशूट्स का एक जटिल और अचूक नेटवर्क तैयार किया है। इस प्रणाली के तहत सबसे पहले एपेक्स कवर अलग होता है जिसके तुरंत बाद गति को कम करने के लिए दो ड्रोग पैराशूट खुलते हैं। जब मॉड्यूल की तेज गति कुछ हद तक नियंत्रित हो जाती है तो अंत में तीन विशाल मुख्य पैराशूट खुलते हैं जो क्रू मॉड्यूल को बंगाल की खाड़ी या अरब सागर के पानी में बेहद सुरक्षित और धीमी गति से लैंड कराते हैं। इस पूरी प्रक्रिया को स्पलैशडाउन कहा जाता है। इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट की शानदार सफलता यह सुनिश्चित करती है कि पैराशूट खुलने की टाइमिंग और उनका तनाव सहने की क्षमता बिल्कुल सटीक है।

गगनयान मिशन भारत के लिए कई मायनों में बहुत अधिक चुनौतीपूर्ण है। इंसानों को अंतरिक्ष की यात्रा पर भेजना केवल उपग्रह भेजने से बिल्कुल अलग और कहीं अधिक जटिल वैज्ञानिक प्रक्रिया है। इसके लिए इसरो अपने सबसे भारी और भरोसेमंद रॉकेट एलवीएम थ्री का उपयोग कर रहा है जिसे मानव उड़ान के अनुकूल बनाने के लिए ह्यूमन रेटेड किया जा रहा है। ह्यूमन रेटिंग का सीधा अर्थ यह है कि रॉकेट का हर एक पुर्जा और हर एक प्रणाली शत प्रतिशत सुरक्षित और भरोसेमंद होनी चाहिए। इसके अलावा अंतरिक्ष यात्रियों के लिए मॉड्यूल के भीतर एक सुरक्षित और आरामदायक वातावरण बनाए रखना भी एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसके लिए इसरो एक विशेष पर्यावरण नियंत्रण और जीवन रक्षक प्रणाली विकसित कर रहा है जो अंतरिक्ष यात्रियों को लगातार ऑक्सीजन प्रदान करेगी और कार्बन डाइऑक्साइड तथा नमी को नियंत्रित रखेगी। यह उन्नत प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है जो भारतीय वैज्ञानिकों की असीमित बुद्धिमत्ता को दर्शाती है।

अंतरिक्ष से वापसी के दौरान क्रू मॉड्यूल को भयानक गर्मी का सामना करना पड़ता है। जब यह मॉड्यूल वायुमंडल की घनी परतों से तेज गति से टकराता है तो घर्षण के कारण उसका बाहरी तापमान हजारों डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इस अत्यधिक और जानलेवा गर्मी से अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित बचाने के लिए क्रू मॉड्यूल के बाहरी हिस्से पर एक विशेष प्रकार का थर्मल हीट शील्ड लगाया गया है। यह शील्ड मॉड्यूल के भीतर के तापमान को बिल्कुल सामान्य बनाए रखने में मदद करता है। इसरो ने इस हीट शील्ड का निर्माण भी स्वदेशी रूप से किया है और इसके कई सफल परीक्षण पहले ही किए जा चुके हैं। वापसी के अंतिम चरण में भारतीय नौसेना की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाती है। जैसे ही क्रू मॉड्यूल समुद्र में गिरेगा नौसेना के कुशल गोताखोर और विशेष जहाज तुरंत वहां पहुंचकर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालेंगे। इसके लिए इसरो और भारतीय नौसेना मिलकर लगातार कड़ा अभ्यास कर रहे हैं ताकि रिकवरी प्रक्रिया में एक सेकंड की भी कोई चूक न हो।

इस मिशन के लिए भारतीय वायुसेना के चार बेहद अनुभवी टेस्ट पायलटों को चुना गया है जिन्होंने रूस में अपना शुरुआती कड़ा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अब वे भारत में गगनयान मिशन के लिए विशेष रूप से स्थापित अत्याधुनिक सुविधाओं में आगे का तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इन अंतरिक्ष यात्रियों को उड़ान के हर छोटे बड़े चरण और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है। गगनयान मिशन की सफलता से भारत दुनिया का चौथा ऐसा देश बन जाएगा जिसने पूरी तरह से अपने दम पर इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा है। इससे पहले केवल रूस अमेरिका और चीन ने ही यह असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता भारत की वैश्विक छवि को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी और अंतरिक्ष कूटनीति के क्षेत्र में भारत का दबदबा और भी अधिक मजबूत होगा।

इसके अलावा गगनयान मिशन का भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी बहुत गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह महत्वाकांक्षी मिशन देश में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाएगा। इससे युवाओं में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि बहुत अधिक बढ़ेगी और देश को नए वैज्ञानिक तथा कुशल इंजीनियर मिलेंगे। इस मिशन के लिए कई नई और उन्नत तकनीकों का विकास किया जा रहा है जिनका भविष्य में चिकित्सा उद्योग और अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक उपयोग किया जा सकेगा। भारतीय अंतरिक्ष उद्योग में निजी क्षेत्र और स्टार्टअप्स की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत ही शानदार संकेत है। यह मिशन भारत के लिए केवल एक वैज्ञानिक परियोजना मात्र नहीं है बल्कि यह करोड़ों भारतीयों के सपनों असीम आकांक्षाओं और राष्ट्रीय गौरव का सवीच्च प्रतीक है।

अंत में यह कहना बिल्कुल सही और तकर्संगत होगा कि सॉल्वे सॉलिड मोटर और इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट की इस हालिया सफलता ने गगनयान मिशन की नींव को बहुत ही ज्यादा मजबूत कर दिया है। इसरो के वैज्ञानिकों ने दिन रात एक करके इस जटिल और महंगी तकनीक को अपने ही देश में विकसित करके एक मिसाल कायम की है। अब वह स्वर्णिम दिन दूर नहीं है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह से स्वदेशी रॉकेट में बैठकर अंतरिक्ष की अनंत यात्रा करेगा और वहां तिरंगे का मान बढ़ाएगा। यह महान सफलता अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के एक बहुत ही सुनहरे भविष्य की मजबूत शुरुआत है और पूरे देश को अपने वैज्ञानिकों की इस शानदार उपलब्धि पर बहुत गर्व है। गगनयान मिशन के हर नए चरण की सफलता के साथ भारत अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व गुरु बनने की दिशा में पूरे आत्मविश्वास के साथ मजबूती से कदम बढ़ा रहा है।

साप्ताहिक जलसा
स्वयंसिद्धा

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा-ए मिशन विद ए विजन द्वारा गत 7 वर्षो से प्रत्येक सप्ताह संगीत,साहित्य,संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी,कानूनी सलाह आदि समसामयिक विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक मंगलवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है।

अधिकारियों,जिम्मेदारों, नेताओं,मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियां और माताएं समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की।

भिलाई की बहूओं ने पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को अपनी परिचर्चा के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित की।

कुछ खाली स्थान कभी भरा नहीं करते, तीजन दीदी को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

संस्था प्रमुख डॉ.सोनाली चक्रवर्ती ने बताया-"श्रद्धेय तीजन बाई जी के साथ हुई अपनी पहली मुलाकात आज भी स्मृति में स्पष्ट है। 2008 या 2009 की बात है। मुझे बीएसपी का कार्यक्रम संचालन करना था इस्पात मंत्री वीरभद्र सिंह आए हुए थे जिसमें तीजन बाई जी का भी कार्यक्रम था। मैं मंच के पीछे अपनी तैयारी कर रही थी वहीं धीरे धीरे पान चबाती हुई तीजनबाई जी बैठी हुई थीं। मैंने कई बार उनकी तरफ चोर निगाहों से देखा तो वे मुस्कुरा पड़ी। मैंने उनको जाकर प्रणाम किया और वे सहज भाव से बात करने लगी

-"तोर का नांव हे नोनी"

मैने बैठने की आज्ञा मांगी। दीदी ने मुझे अचंभित करते हुए मेरी साड़ी के पल्ले को अपनी दो उंगलियों में लिया और उसे हल्के से खींचते हुए बोली -"अब्बड़ सुंदर लुगरा है.... महंगा होही ना नोनी" ?

और मैं चुप !

मुझे किसी ने मंत्र कीलित कर मानो वहां पर गाड़ दिया था।ऐश्वर्य, प्रसिद्धी व सफलता के इस शीर्ष पर पहुंच कर यह महिला इतनी सादगी पूर्ण ढंग से अपनी मन की बात कैसे कह सकती हैं! यह साड़ी उनके कमाए गए समृद्धि के आगे कुछ भी नहीं है। ऐसी साड़ियां वह चुटकियों में खरीद सकती है लेकिन उनका पूछना और उनकी आंखों की मासूमियत मैं कभी नहीं भूल पाई। उनसे मिलना किसी सेलिब्रिटी या बड़े कलाकार से मिलना नहीं बल्कि धान चावल की खुशबू में सनी एक गांव की गौटनिन से मिलना था।

साहस कर मैंने पूछा :

-" दीदी मैं बचपन से आपको सुनते आ रही हूं आपकी बहुत बड़ी प्रशंसिका हूं ।क्या मैं एक बार आपका हाथ छू सकती हूं ? मैं आप को छूकर महसूस करना चाहती हूं" । तो वे हंसने लगी और अपना हाथ बढ़ा दिया।मैंने धीरे से उनकी कलाई

पर अपनी थरथराती उंगलियां रखी वे बुखार से तप रही थीं ।मैंने आश्चर्य से उनको देखा -"दीदी आपको तो बहुत बुखार है" उन्होंने कहा-" हव सुब्बे ले हे ।आए के पहिलि गोली खाकर आए हंव" (हां सुबह से है ।आने से पहले दवाई खाकर आई हूं)।

मैंने उनसे पूछा :

-"दीदी 15 मिनट बाद आपका कार्यक्रम है जिसकी अवधि 40 मिनट है ।आप कैसे कर पाएंगी आपकी तो आंखें बिल्कुल लाल जवाफूल सी हो गई हैं" उन्होंने पान उठाते हुए मुझसे वह बात कही जो मेरी आगे आने वाली जिंदगी के लिए पाथेय बन गया । उसके बाद पता नहीं मैंने कितने

कार्यक्रम किए होंगे,कभी अभिनय कभी संचालन, कही कुछ.... उनकी इस बात ने मुझे कभी अपने कर्तव्य पथ डिगाया नहीं। उन्होंने हंसकर कहा - "कार्यक्रम के बात तो अइसे हे....वो तो मोर बर पूजा हे ।ते मोला मंच पर खड़ा भर कर... फेर देख" और देखा हमने,पूरे देश ने, पूरी दुनिया ने... उनको मंच पर खड़ा करते ही कौन सा तिलिस्म रचता है।

तालपुरी निवासी रुखसाना शेख कहती है -"स्वयंसिद्धा के कार्यक्रमों में मुझे दो-तीन बार तीजन बाईजी की भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त हुआ ।सबसे खुशी हुई जब 2023 के कार्यक्रम में तीजन बाई जी स्वयं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।उनके सामने उन्हीं का पात्र निभाने में बहुत नर्वसनेस थी लेकिन मैने आत्मविश्वास के साथ निभाया और उन्होंने इतनी प्रशंसा की हमारी सारी मेहनत सफल हो गई। उनकी यह जगह कभी नहीं भर पाएगी। वह अमूल्य रत्न है।

अवधपुरी निवासी रतना दुफारे का कहना है कि स्मृति शेष तीजन बाई को मेरा शत-शत नमन और अश्रुपुरीत श्रद्धांजलि ।छत्तीसगढ़ की महान पंडवानी गायिका तीजन बाई जी अब हमारे बीच नहीं है यहां बहुत ही दुखद खबर है तीजन बाई को हमने टीवी में देखा ,अखबारों में पढ़ा उनके बारे में। स्वयंसिद्धा में जुड़ने के बाद जब स्वयं सिद्धा का तेरहवा स्थापना दिवस था तब मैं वहां दर्शक बनकर गई थी ।तब मैंने तीजन बाई को देखा थी।

मैंने उन्हें बहुत करीब से देखा था। स्टेज पर हमारी स्वयं सिद्धा सखिया अलग-अलग रोल प्ले कर रही थी उसमें से एक सखी ने तीजन बाई का भी रोल प्ले किया था और सामने दर्शक दीर्घा में बैठकर तीजन बाई भी खुद को सामने देख रही थी बाद में वह मंच पर आई और उन्होंने बहुत तारीफ की। उनकी आंखें भर आई थी और हमारे ग्रुप की उन्होंने बहुत तारीफ की थी।

गीता चौधरी का कहना है कि पद्मश्री तीजन बाई जी को सादर श्रद्धांजलि शत शत नमन। तीजन बाई जी हमारे छत्तीसगढ़ की आन बान थी इन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला शैली को वैश्विक पहचान और पंडवानी गायकी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई थी।

हम बचपन में तीजन बाई जी को रेडियो और टीवी में सुनते और देखे थे। सेक्टर 1 में रहती है यह भी मालूम था परंतु कभी भी उनसे रूबरू या देखने का मौका नहीं मिला था ।मुझे स्वयंसिद्धा की स्थापना दिवस समारोह में उन्हें देखने का मौका मिला और उनको देखकर बहुत खुशी हुई थी। आज वो हमारे बीच नहीं है परंतु आज वो दिन याद कर के मेरी याद फिर से तरोताजा हो गई।

धमतरी निवासी संतोष लखोटिया जी का कहना है कि छत्तीसगढ़ का गौरव तीजनबाई को कौन नहीं जानता ।महाभारत की पूरी कहानी मुखाग्र चंद घंटों में वे तंबुरे के साथ सुनाती थी । पंडवानी गायन में उन्हें महारथ हासिल था ।छत्तीसगढ़ का लोक महापर्व (तीजा) को जन्म होने के कारण उनका नाम तीजन बाई पड़ा ।स्वयंसिद्धा का कार्यक्रम तीन साल पहले भिलाई में था तब उनसे रुबरु होने का मोका मिला और छत्तीसगढ़ी में आधे मिनट बात भी हुई ।ऐसी महान कलाकार को मैं बारम्बार नमन करती हूँ ।

गायत्री कुंज निवासी प्रियंका सिंह कहती है कि पद्मश्री तीजन बाई जी को सादर श्रद्धांजलि और शत शत नमन ।पंडवानी को विश्व पटल पर पहचान और सम्मान दिलाने वाली तीजन बाई जी की गायिकी को मैंने टीवी पर ही सुना और देखा है। मैं उनके बारे में शादी के बाद भिलाई आने पर सुनी और जानी वो भी पहले न्यूज पेपर से , फिर ससुर जी से (वो ससुर जी के अंडर में कम्युनिटी डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में थी) और फिर टीवी से। उनकी दमदार आवाज में ,महाभारत की कथा को, विशेष पंडवानी शैली में गाते हुए देखना और सुनाना मेरे लिए नया अनुभव था। बहुत सुंदर और अलग हट कर अनुभव था। उनसे कभी मिली नहीं यह अफसोस रह गया। उन्होंने अपने जीवन यात्रा को बड़े साहस और गरिमामयी तरीक़े से पूरा किया। उनका नाम हमेशा कला और संस्कृति के आसमान में चमकता रहेगा ।प्रभु उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दे ।

प्ले स्कूल शिक्षिका राजश्री नायर कहती हैं कि -"तीजन बाई पांडवानी गायिका को भिलाई छत्तीसगढ़ मैं सभी जानते हैं। मैं उनसे बचपन में मिली। हमारे पड़ोसी थे विमल कुमार पाठक जो प्रसिद्ध कवि ओर लेखक थे। ओर लोककला महोत्सव के करता धर्ता थे ।पड़ोसी होने के कारण हमारे परिवार से अच्छी मित्रता थी। उनके घर तीजन बाई जी आती थी ।वहाँ उनसे अक्सर मुलाकात होती रहती थी। तब मैं बोहत छोटी थी ।मैं भी लॉक कला महोत्सव मैं 2 साल भाग ली थी। तीजन बाई का भी उस समय पंडवानी गायिकी मैने प्रत्यक्ष देखा। वो सेक्टर 1 मैं हमारे घर के पीछे स्ट्रीट मैं ही रहती थी। कई बार उनके घर भी गई थी। बहुत संघर्ष के बाद वो इस मुकाम मैं पहुंच पाई। उनकी आवाज ऐसी थी कि उन्हें माइक की भी जरूरत नहीं थी। उनकी प्रतिभा अद्वितीय थी ।उनको पढ़ना लिखना नहीं आता था ।मेरी माँ के पास आकर उन्होंने अक्षर सिखा ओर अपना हस्ताक्षर करना सिखा।

उसके बाद मैं कई सालों बाद स्वयं सिद्ध की स्थापना दिवस में उनको देखा। तब उनको देख के बोहत दुख लगा कि वो तब ठीक से चल भी नहीं पा रही थीं। बहुत दिन बाद उन्हें देख कर अच्छा भी लगा। वो छत्तीसगढ़ की संस्कृति की धरोहर थी। भगवान उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करें।

खास खबर

जिले की विशिष्ट पहचान विष्णुभोग चावल से मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जीपीएम

महिला स्व-सहायता समूहों की मेहनत और जिले की कृषि परंपरा की मंत्री ने की सराहना

गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले की पारंपरिक कृषि विरासत और ग्रामीण महिलाओं की मेहनत का प्रतीक विष्णुभोग चावल अब गौरेला-पेंड्रा-मरवाही की विशिष्ट पहचान के रूप में अपनी अलग पहचान बना रहा है। जिले के प्रवास पर पहुंचे कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का स्वागत कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने जिले के प्रसिद्ध विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर किया। यह सम्मान केवल एक स्थानीय उत्पाद का नहीं, बल्कि जिले की समृद्ध कृषि परंपरा, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी प्रतीक बना।

कलेक्टर डॉ. देवांगन ने मंत्री खुशवंत साहेब को बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की महिलाएं विष्णुभोग चावल का उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन कर रही हैं। अपनी प्राकृतिक सुगंध, उत्कृष्ट गुणवत्ता और पारंपरिक स्वाद के कारण यह चावल प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इससे ग्रामीण महिलाओं को नियमित आय का स्रोत मिलने के साथ-साथ स्थानीय किसानों को भी बेहतर बाजार उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने विष्णुभोग चावल की सराहना करते हुए कहा कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही का विष्णुभोग चावल जिले की समृद्ध कृषि संस्कृति और महिला स्व-सहायता समूहों की लगन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि क्षेत्रीय पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का प्रभावी माध्यम भी है। ऐसे उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने और उनकी ब्रांडिंग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि किसानों और महिला समूहों की आय में निरंतर वृद्धि हो तथा जिले की विशिष्ट पहचान और अधिक मजबूत हो सके।

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने इस अवसर पर हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी को भी विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने जिले की इस विशिष्ट कृषि उपज, महिला स्व-सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी साझा की।

जिले में विष्णुभोग चावल को बढ़ावा देने की पहल स्थानीय किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों और प्रशासन के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही की पारंपरिक कृषि विरासत को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मनोज खलारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दंतैल हाथी की दस्तक, कई गांवों में अलर्ट जारी

महासमुंद। वनमण्डल महासमुंद परिक्षेत्र के मुड़मार (बेलर) क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक नर दंतैल हाथी के पहुंचने से वन विभाग सतर्क हो गया है। हाथी की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के कई गांवों में ग्रामीणों को सावधानी बरतने की अपील की गई है। वन विभाग के अनुसार सुबह करीब 11:30 बजे तक दंतैल हाथी कक्ष क्रमांक 66 और 67 के अंतर्गत आने वाले मुड़मार और गौरखेड़ा के बांस प्लांट वाले जंगल क्षेत्र में विचरण करता देखा गया। वर्तमान में हाथी की लोकेशन कक्ष क्रमांक 66, 67 और 64 के जंगल क्षेत्र में बताई जा रही है। विभाग ने संभावना जताई है कि हाथी आगे कक्ष क्रमांक 68, 58, 59, 60, 438, 64, 61 और 63 की ओर बढ़ सकता है। इसके मद्देनजर वन अमला लगातार हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। वन विभाग ने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

अबूझमाड़ के जंगलों में महकेगी कॉफी

बस्तर में कृषि-क्रांति की तैयारी, ओडिशा के कोरापुट में ट्रेनिंग लेंगे अधिकारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के वन क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक बेहद अनूठी पहल की है। बस्तर के इस अंचल में अब बड़े पैमाने पर कॉफी की खेती प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। इसी सिलसिले में कलेक्टर नारायणपुर ने भारत सरकार के कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञों के साथ कुतुल, कच्चापाल, कोडलियार, ईरकभट्टी और तोके सहित आस-पास के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का विस्तृत जमीनी निरीक्षण किया।

जलवायु और मिट्टी कॉफी के लिए बेहद अनुकूल

निरीक्षण के दौरान कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञ दल ने क्षेत्र की जलवायु, वार्षिक वर्षा, तापमान, मिट्टी की प्रकृति और समुद्र तल से ऊंचाई का गहन वैज्ञानिक अध्ययन किया। बोर्ड के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अबूझमाड़ का प्राकृतिक वातावरण कॉफी उत्पादन के लिए पूरी तरह अनुकूल है। यहाँ 'कॉफी आधारित कृषि वानिकी मॉडल' विकसित कर बड़े पैमाने पर स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

ओडिशा के कोरापुट में ट्रेनिंग लेंगे जिले के अधिकारी

कॉफी बोर्ड के अधिकारियों के सुझाव पर कलेक्टर ने जिले के कृषि अधिकारियों और कमर्चारियों को तकनीकी प्रशिक्षण के लिए ओडिशा के कोरापुट भेजने के निर्देश दिए हैं। वहाँ अधिकारी कॉफी उत्पादन, पौध प्रबंधन, पर्यावरणीय आवश्यकताओं और तकनीकी पहलुओं की बारीकियों को सीखेंगे, ताकि वे आकर स्थानीय किसानों का मार्गदर्शन कर सकें।

चार साल में शुरू होगा उत्पादन, ग्रामीणों को मिलेगी स्थायी आय

विशेषज्ञों के अनुसार, कॉफी के पौधों का करीब चार वर्षों तक रख-रखाव करने के बाद व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो जाता है। इसके बाद यह ग्रामीणों के लिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी नियमित आय का जरिया बनेगा। इस पूरी परियोजना में स्थानीय स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों की सीधी भागीदारी तय की जाएगी, जिससे हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सके। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अबूझमाड़ के अनुकूल प्राकृतिक वातावरण का सही उपयोग करना, वनों का संरक्षण करना और स्थानीय ग्रामीणों को आय का एक स्थायी व मजबूत जरिया देना है। प्रारंभिक चरण में भूमि का चयन कर प्लांटेशन और स्थानीय स्तर पर नसर्री की शुरुआत की जा रही है।

भविष्य में चाय की खेती की भी संभावना

विशेषज्ञ दल के साथ चर्चा के दौरान यह बात भी सामने आई कि अबूझमाड़ की वादियाँ चाय की खेती के लिए भी उपयुक्त हैं। इस पर कलेक्टर ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए '

इस महत्वपूर्ण दौरे में भारत सरकार कॉफी बोर्ड से उप निदेशक, आंध्र प्रदेश, प्रभारी अधिकारी, क्षेत्रीय कॉफी अनुसंधान केंद्र, आंध्र प्रदेश, वरिष्ठ संपर्क अधिकारी, कोरापुट, जिला उप संचालक कृषि और जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पर्यटन के नए दौर की ओर बढ़ा बलौदाबाजार, छुइहा जलाशय से गिरौदपुरी धाम तक होगा व्यापक विकास

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार-भाटापारा

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले को पर्यटन की दृष्टि से नई पहचान दिलाने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए पर्यटन विकास की व्यापक कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के सुनियोजित विकास, पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं के विस्तार तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में प्राकृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इन संभावनाओं का समुचित उपयोग करते हुए पर्यटन स्थलों का चरणबद्ध विकास किया जाएगा, जिससे जिले की पहचान मजबूत होने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चिन्हित पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों में तेजी लाते हुए समयबद्ध काययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

बैठक में शहर के निकट स्थित छुइहा जलाशय के सौंदर्यीकरण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। कलेक्टर ने इसे जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए। जलाशय क्षेत्र में पर्यटकों के लिए आकर्षक वातावरण, आवश्यक आधारभूत सुविधाएं तथा मनोरंजन के अवसर विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही जलाशय की भूमि पर हुए अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधन विभाग को तत्काल कार्रवाई करने तथा संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में खोरसी नाला पर नवीन कृषि उपज मंडी के समीप चेक डेम निर्माण और व्यापक वृक्षारोपण, सोनबरसा जंगल सफारी में पर्यटक सुविधाओं का विस्तार, गिरौदपुरी धाम के विकास तथा गिधौरी के समीप महानदी तट के सौंदर्यीकरण जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इन परियोजनाओं के माध्यम से जिले में प्रकृति, धार्मिक और इको-टूरिज्म को नई पहचान देने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हीरा स्व-सहायता समूह द्वारा छुइहा जलाशय में बोटिंग संचालन के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। समिति ने सुरक्षा मानकों और आवश्यक सुविधाओं का परीक्षण कराने के बाद इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। इससे महिला स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और स्थानीय आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

बारिश के मौसम में करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने विद्युत कंपनी ने जारी की एडवाइजरी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बारिश का मौसम शुरू होते ही विद्युत करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। बिजली के खंभों, एचटी लाइनों, टूटे तारों तथा विद्युत उपकरणों के संपर्क में आने से हर वर्ष कई हादसे होते हैं, जिनमें कई बार लोगों की जान तक चली जाती है। इन दुर्घटनाओं से बचाव के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने आम नागरिकों के लिए सुरक्षा संबंधी एडवाइजरी जारी करते हुए विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

कंपनी ने कहा है कि थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों एवं अन्य विद्युत उपकरणों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें। यदि आंधी-तूफान या बारिश के दौरान बिजली के खंभे, तार अथवा अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त दिखाई दें, तो इसकी सूचना तत्काल कंपनी के टोल-फ्री नंबर 1912, मोर बिजली ऐप अथवा निकटतम वितरण केंद्र या जोन कार्यालय में दें।

बारिश के दौरान बिजली के खंभों, तारों और ट्रांसफामर्रों से दूर रहें। जहां विद्युत तार या उपकरण मौजूद हों, वहां पानी में करंट फैलने की संभावना रहती है। ऐसे स्थानों पर पानी में चलने या तैरने से बचें। विद्युत उपकरणों का उपयोग करते समय हाथ-पैर सूखे रखें तथा रबर या प्लास्टिक के जूते-चप्पलों का उपयोग करें। विभाग ने बताया कि बारिश से पहले सभी फीडरों, ट्रांसफामर्रों एवं विद्युत लाइनों का निरीक्षण और आवश्यक रखरखाव किया जा चुका है। इसके बावजूद नागरिकों की सतकर्ता अत्यंत आवश्यक है।

दुर्घटनाओं से बचने के लिए इन सावधानियों का रखें ध्यान : घरों, खेतों एवं अन्य स्थानों पर केवल गुणवत्तापूर्ण विद्युत उपकरणों का उपयोग करें। खेत या बाड़ी की बाड़ तथा कंटीले तारों में बिजली प्रवाहित न करें। यह अवैध होने के साथ-साथ जानलेवा भी हो सकता है तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

विद्युत लाइनों, ट्रांसफामर्रों या अन्य उपकरणों में खराबी आने पर स्वयं सुधार करने का प्रयास न करें। बिजली की लाइनों के नीचे अथवा उनके समीप स्थायी या अस्थायी निर्माण न करें तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखें। यदि कोई विद्युत तार टूटकर जमीन, नदी, नाले या तालाब में गिरा हुआ मिले, तो उससे पर्याप्त दूरी बनाए रखें और तात्कालिक संबंधित लाइनमैन, कनिष्ठ अभियंता अथवा टोल-फ्री नंबर 1912 पर सूचना देकर विद्युत प्रवाह बंद कराएं।

बिजली की लाइनों से हुकिंग कर अनाधिकृत रूप से बिजली का उपयोग न करें। कपड़े सुखाने के लिए बिजली के खंभों या स्टे वायर का उपयोग न करें तथा कपड़े सुखाने वाले तार को विद्युत लाइनों से पर्याप्त दूरी पर रखें। अस्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए कटे-फटे तारों का उपयोग न करें तथा बच्चों को विद्युत उपकरणों एवं लाइनों के आसपास खेलने से रोकें।

यदि कोई व्यक्ति करंट की चपेट में आ जाए तो यह करें-सबसे पहले मुख्य स्विच बंद कर विद्युत प्रवाह तत्काल रोकें। यदि स्विच बंद करना संभव न हो, तो सूखी लकड़ी, सूखी रस्सी या सूखे कपड़े की सहायता से पीड़ित को बिजली के स्रोत से अलग करें। सीधे हाथ लगाने का प्रयास न करें। पीड़ित को सूखी जगह पर लिटाकर प्राथमिक उपचार दें, आवश्यकता होने पर कृत्रिम श्वास दें तथा तत्काल निकटतम अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करें।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, बिलासपुर क्षेत्र के कायर्पालक निदेशक श्री ए.के. अंबस्थ ने कहा कि भीषण गर्मी, आंधी-तूफान और बारिश के दौरान विद्युत व्यवस्था बनाए रखना बिजली कर्मियों के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। ऐसे मौसम में फॉल्ट ढूंढ़ने और उसे सुधारने के लिए कमर्चारियों को प्रतिकूल परिस्थितियों में लगातार कार्य करना पड़ता है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि बिजली आपूर्ति बाधित होने पर घबराने के बजाय 5 से 10 मिनट प्रतीक्षा करें और आवश्यकता होने पर टोल-फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही, लाइन कमर्चारियों को सुधार कार्य में सहयोग दें तथा विद्युत लाइनों एवं उपकरणों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें।

उन्होंने कहा कि विद्युत व्यवस्था के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन में उपभोक्ताओं का सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। थोड़ी-सी सावधानी अपनाकर न केवल दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है, बल्कि लोगों के जीवन और संपत्ति की भी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है जान है तो जहान है।

पत्नी आकांक्षा के तलाक के एलान के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

चर्चित एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने लॉकअप सीजन 2 में हिस्सा लिया है। यहां उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया कि वे और गौरव तलाक ले रहे हैं। आकांक्षा ने यह भी कहा कि वे सालभर से अलग-अलग रहते हैं। पत्नी की तरफ से तलाक की पुष्टि के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार इस पर रिएक्शन दिया है।

प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं

तलाक की चर्चाओं के बीच गौरव खन्ना 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर आज 30 जून को पहली बार 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर नजर आए। गौरव 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट के बाहर पैपराजी को पोज दिए। जैसे ही उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिया तो एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, 'गौरव भाई, क्या हाल हैं'? गौरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बस यार, वही ,जो पहले था वही हाल है अभी भी। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है... मैं तो हमें सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं'?

हमेशा आकांक्षा के साथ खड़ा हूं

इसके बाद फोटोग्राफर ने पूछा, 'भाई लेकिन कंट्रोवर्सी बहुत ज्यादा हो गई है'। इस पर गौरव ने कहा, 'आकांक्षा को जीवन के लिए शुभकामनाएं। मैं हमेंशा उसके साथ खड़ा हूं और उसको सपोर्ट कर रहा हूं। वो अच्छा खेले और जीत कर आए'।

'लॉकअप सीजन 2' में आकांक्षा के तलाक को लेकर पुष्टि किए जाने के बाद पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा किया है। गौरव ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। कैप्शन में वे प्यार की हिमायत करते दिखे हैं। गौरव ने लिखा है, 'लव ऑलवेज'। गौरव खन्ना के इस पोस्ट पर उनके फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, 'हम आपके साथ हैं। आपको खूब सारा प्यार'।

महिलाओं को सुपरस्टार बनाने में भी की जानी चाहिए उतनी ही मेहनत

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है।

पुरुष कलाकारों पर होती है मेहनत

वैरायटी इंडिया से बातचीत में जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।'

डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स को करनी होगी मेहनत

उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरतहै।'

फिल्म ने की अच्छी कमाई

'मां इंटी बंगारम' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दिन 4.85 करोड़ की कमाई की। दो हफ्तों के अंदर, फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

बन रहा फिल्म का सीक्वल

विशाखापत्तनम में एक सक्सेस मीट के दौरान, फिल्म के प्रोड्यूसर राज निदिमोरू ने घोषणा की कि इसका सीक्वल पहले से ही बन रहा है।'

'इक्का' के साथ फिर सरप्राइज करेंगी आकांक्षा रंजन

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है। हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर – डॉ. गर्गी – का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज़-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नज़र आएंगी – जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।

आज रिलीज़ हुआ 'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज़्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विज़न में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज़ मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया।

अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं – इस बार कहानी ज़्यादा डार्क और लेयर्ड है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नज़र आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं – जिनका खुलासा अभी बाकी है।

हम भारतीय बहुत भावुक हैं, लोगों का दर्द समझते हैं

अरशद वारसी और राजकुमार हिरानी ने 'प्रीतम एंड पेड्रो' से पहले 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'लगे रहो मुन्ना भाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया है, जहां अरशद वारसी का 'सर्किट' वाला किरदार काफी पॉपुलर हुआ था। अरशद ने हाल ही में अमर उजाला से बातचीत के दौरान अपनी नई सीरीज, राजकुमार हिरानी के साथ दोबारा काम करने, उनके बेटे वीर हिरानी के साथ अपने अनुभव, बॉलीवुड की सच्चाई और साइबर फ्रॉड जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान, उन्होंने अजय देवगन का भी जिक्र किया।

'राजकुमार हिरानी का बेटा है तो क्या हुआ, गलत करेगा तो डांट पड़ेगी'

बता दें, राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी इस सीरीज के साथ एक्टिंग डेब्यू कर रहे है। वीर के साथ काम करने के अनुभव पर अरशद ने कहा कि उनके साथ काम करना काफी सहज रहा, क्योंकि वह उन्हें पहले से जानते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वीर को काफी समय से जानता हूं, इसलिए काम बहुत आराम से हुआ। दूसरी बार जब आप किसी के साथ काम करते हैं तो समझ और बेहतर हो जाती है। हर इंसान एक-दूसरे से कुछ न कुछ सीखता है और मैंने भी उससे बहुत कुछ सीखा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या राजकुमार हिरानी के बेटे होने की वजह से वीर को कोई विशेष छूट मिलती थी, तो अरशद ने तुरंत हंसते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल नहीं। उस बेचारे को तो खूब डांट पड़ती थी। हमारा रिश्ता थोड़ा अलग है। मैं उसे गलत काम नहीं करने दे सकता। अगर किसी दृश्य में वह बिल्कुल अलग दिशा में चला जाता था तो मैं दोबारा करवाता था। कई बार दोबारा दृश्य करना पड़ा। राजकुमार हिरानी का बेटा होने का मतलब यह नहीं कि काम के दौरान छूट मिल जाएगी।

'हम भारतीय भावुक लोग हैं, इसलिए ये किरदार लोगों को जरूर पसंद आएंगे'

अपनी सीरीज को लेकर बढ़ती उम्मीदों पर बात करते हुए अरशद ने कहा कि किसी भी सीरीज की सबसे बड़ी ताकत उसके किरदार होते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर लोगों को किरदार पसंद आ जाएं तो वही किसी सीरीज की असली सफलता होती है। इस सीरीज के दोनों किरदार लोगों को पसंद आएंगे।

बेटी की पैदाइश के बाद जमीन-आसमान का बदलाव आया

अली फजल को इंडिया में भले दर्शक 'मिर्जापुर' के गुड्डू भैया के रूप में जानते हों, मगर अली ने हॉलीवुड में भी अच्छा-खासा काम किया है। इन दिनों वेब सीरीज 'राख' में अपनी भूमिका के लिए तारीफ बटोरने वाले अली जल्द ही कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे। आमिर खान की 'बंटवारा 1947' के अलावा वह फिल्म 'मिर्जापुर' और 'लस्ट स्टोरीज' में भी नजर आएंगे।

'बंटवारा 1947' में बड़ा रोल नहीं, पर अहम

'बंटवारा 1947' में अपने रोल पर अली फजल कहते हैं, ''बंटवारा' में मेरा बहुत बड़ा रोल नहीं है, लेकिन मेरे लिए किरदार के आकार से ज्यादा अहमियत उस टीम और कहानी की होती है, जिसका मैं हिस्सा बनता हूं। सनी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों और शानदार टीम के साथ काम करना अपने आप में बड़ा अनुभव है। आमिर खान सर इसे बना रहे हैं और मुझे इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है। सच तो ये है कि मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहता। फिल्म मिर्जापुर में चिरपरिचित चेहरों के साथ एक सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।'

आज से तकरीबन दो साल पहले अली और रिचा ने जुनेरा नाम प्यारी बेटी को जन्म दिया। अली खुद को खुशकिस्मत मानते हैं, बेटी को पाकर। वह कहते हैं, 'बेटी को पाकर नसीब वाला महसूस करता हूं । बस रोज, दुआ करता हूं कि एक पैरेंट के रूप में बेटी का ध्यान रख पाऊं, उसकी जरूरतें पूरी कर पाऊं। मुझमें जमीन-आसमान का बदलाव आया है। लोग जब पूछते हैं कि एक पिता के रूप में क्या देना चाहेंगे? तो मैं मुझे लगता है कि ये तो इतिहास की सबसे पुरानी चीज है। हम बच्चों को क्या दे सकते हैं? जो भी देना है, वो तो हमारा फर्ज है। हम हजारों सालों से ये करते आए हैं। मुझे लगता है कि हमें बात का बतंगड़ नहीं बनाना चाहिए। हमें काम करना चाहिए, बच्चे पालने चाहिए, उन्हें एजुकेट करना जरूरी है। बाकी तो दुनिया चल ही रही है।'

जरूरी नहीं हर समय हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए

अली ने आगे कहा, 'हालांकि, एक अभिनेता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी जरूर बनती है, क्योंकि हम भी समाज का हिस्सा हैं। हम समाज को देखते हैं, उससे सीखते हैं और फिर उसी का एक रूप अपने सिनेमा और कहानियों के माध्यम से दर्शकों के सामने रखते हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि हर समय और हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए लोगों से ऐसी अपेक्षाएं भी कम थीं। आज सोशल मीडिया के दौर में अक्सर यह उम्मीद की जाती है कि हर विषय पर कलाकार अपनी राय रखें। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि आखिरकार हर व्यक्ति का अपना तरीका होता है। मेरे लिए मेरा काम ही मेरी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।'

बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता

सभी जानते हैं कि अली फजल की पत्नी रिचा चड्ढा मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने में कभी पीछे नहीं रही हैं, मगर अली उनकी तरह मुखर नहीं हैं। इस पर वह कहते हैं, 'मेरा मानना है कि इंसान चाहे तो कुछ भी बन सकता है, और अगर मैं चाहूं तो हर मुद्दे पर बोलना भी शुरू कर सकता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने काम के जरिए ज्यादा प्रभावी ढंग से अपनी बात कह पाता हूं। शायद मैं अभी उस मुकाम पर नहीं हूं कि बिना पूरी जानकारी और समझ के किसी भी विषय पर खुलकर टिप्पणी करूं।

इंसानी स्वभाव को समझने की कोशिश

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप से कई तरह का काम करने के बाद अली एक इंसान और एकत्र के रूप में बदलाव महसूस करते हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर किरदार इंसानी स्वभाव को बेहतर ढंग से समझने का एक अवसर होता है। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि क्या मैं एक आम इंसान के मन और उसकी परिस्थितियों के भीतर उतर सकता हूं। जब आप ऐसा करते हैं, तो अहसास होता है कि हर कहानी के पीछे एक सच्चा इंसान है, जिसकी अपनी जद्दोजहद और कई परतें हैं।

डॉ. मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया–हर्षिता पाण्डेय

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यालय बेमेतरा में किया गया पुण्य स्मरण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राष्ट्र केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, परंपरा, आत्मसम्मान और राष्ट्रीय चेतना ही उसकी वास्तविक पहचान है। इसी राष्ट्रवादी विचार को अपने जीवन का ध्येय बनाने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद् एवं स्वतंत्र भारत की राजनीति को वैचारिक दिशा देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला बेमेतरा द्वारा जिला कार्यालय में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डॉ. मुखर्जी का मानना था कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। वे शिक्षा को राष्ट्र की आत्मा, संस्कृति को उसकी शक्ति और युवाओं को भारत के भविष्य का आधार मानते थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी भी सत्ता को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि राष्ट्रीय एकता,

लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत की सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। वे कहा करते थे कि देश की एकता और अखंडता किसी भी राजनीतिक समझौते से बड़ी है। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित के लिए संघर्ष, त्याग और समर्पण का अद्भुत उदाहरण रहा।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में 23 जून (बलिदान दिवस) से 6 जुलाई (जन्म जयंती) तक संस्मरण पक्ष मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी श्रीमती हर्षिता पांडेय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उन्होंने राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कभी समझौता नहीं किया और अपने सिद्धांतों के लिए अंतिम क्षण तक संघर्षरत रहे। आज विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और सशक्त भारत की परिकल्पना को साकार करने में उनके विचार मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता को डॉ. मुखर्जी के विचारों को जन–जन तक पहुँचाने का दायित्व निभाना चाहिए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा के ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने भारतीय राजनीति को वैचारिक आधार प्रदान किया। उन्होंने शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीय स्वाभिमान को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया। उनके विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अजय साहू ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति की अद्भुत गाथा है। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष कर देश की एकता के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका बलिदान भारत की एकात्मता के इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाए तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए।

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने, शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने तथा राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखने का जो संदेश दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र सेवा के अपने संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रही है।

इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू सरगुजा संभाग प्रभारी अवधेश चंदेल संध्या परघनिया राजेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश जोशी, जिला महामंत्री राजेश ठाकुर, महेश साहू, अंजय, अंजु बघेल, विजय वर्मा, डोसन साहू, संदीप यादव, विनय साहू, रेवा राम निषाद, सावित्री रजक, नीमा गुप्ता सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज सेवा एवं संगठन सशक्तिकरण का संकल्प लिया।

खास खबर

कलेक्टर ने समय–सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा की, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और योजनाओं में तेजी के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय–सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, स्कूलों में आय, जाति एवं निवास प्रमाण–पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, राजस्व, एग्रीस्टेक, कृषि, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल, एडीएम विनय पोयाम, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में विशेष अभियान चलाकर बनाए आयुष्मान कार्ड : कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिले में आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर बच्चों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। इसके लिए प्रत्येक स्कूल की सूची तैयार कर यह चिन्हित किया जाए कि किन विद्यार्थियों के आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बने हैं। उन्होंने आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार कराने तथा शिविर आयोजित कर सभी पात्र विद्यार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य विभाग से राशन कार्ड का डाटा प्राप्त कर छूटे हुए पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उनका भी आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए।

आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्रों में भी लाई जाए तेजी : बैठक में स्कूलों के माध्यम से बनाए जा रहे आय, जाति एवं निवास प्रमाण–पत्रों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिक्षक विद्यार्थियों से आवेदन पत्र भरवाकर समय पर संबंधित तहसीलों को भेजना सुनिश्चित करें, ताकि विद्यार्थियों को समय पर प्रमाण–पत्र उपलब्ध हो सकें और उन्हें आगे की शैक्षणिक प्रक्रियाओं में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

9 जुलाई से शुरू होगा नगरीय पट्टा सर्वे अभियान : कलेक्टर श्री वर्मा ने नगरीय क्षेत्र में प्रस्तावित पट्टा सर्वे अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि 9 जुलाई से गठित सर्वे दल नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में सर्वे कार्य प्रारंभ करेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सर्वे पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और शासन के दिशा–निर्देशों के अनुरूप किया जाए। सर्वे से पहले सभी दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें उन्हें सर्वे की प्रक्रिया, नियमों और आवश्यक सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक बिंदु को गंभीरता से समझकर कार्य करने को कहा।

एग्रीस्टेक में शेष किसानों का पंजीयन शीघ्र पूरा करें : कलेक्टर ने एग्रीस्टेक योजना के अंतर्गत किसान पंजीयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित तहसीलदारों को निर्देश दिए कि जिन किसानों का पंजीयन अभी शेष है, उनका पंजीयन अभियान चलाकर शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि किसान शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त कर सकें।

राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें : राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और राजस्व सेवाओं का लाभ लोगों को निर्धारित समय में मिलना चाहिए। लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

वन महोत्सव के अवसर पर कृषि महाविद्यालय बेमेतरा में किया गया व्यापक रूप से पौधरोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, ढोलिया (बेमेतरा) में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. अनूप कुमार सिंह ने कहा कि पेड़–पौधे मानव जीवन के आधार हैं। वृक्ष न केवल हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि जल संरक्षण, मृदा संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनका संरक्षण करने का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण करना भी प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधे का रोपण कर उसका संरक्षण सुनिश्चित करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, छात्र–छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी प्रतिभागियों ने वृक्षों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया।

महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि वन महोत्सव के अंतर्गत भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो और हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर डॉ. यू. के. ध्रुव, डॉ. असित कुमार, कुंती बंजारे, डॉ. भारती बघेल, डॉ. हेमलता निराला, डॉ. प्रीति पैंकरा, डॉ. साक्षी बजाज, श्रीमती प्रतिभा सिंह, डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. महानंद, डॉ. रामेश्वर, संजीव गुर्जर सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

निगम ने विकास, स्वच्छता व आधारभूत सुविधाओं के कार्यों को दी गई गति

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा शहर के समग्र विकास, स्वच्छता, जल निकासी, सड़क सुधार, शैक्षणिक अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष के बजट में शहर के प्रमुख चौक–चौराहों के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव शामिल किया गया है। इसके क्रियान्वयन के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृति प्राप्त होने के बाद शहर के प्रमुख चौक–चौराहों का चरणबद्ध विकास किया जाएगा।

बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति से बचाव के लिए शहर के बड़े नालों एवं नालियों की व्यापक सफाई कराई जा रही है। वार्डों की छोटी नालियों की नियमित सफाई निगम अमले द्वारा की जा रही है। जिला अस्पताल के सामने सहित विभिन्न स्थानों पर नालों से निकाले गए कचरे का सुरक्षित निष्पादन किया जा रहा है। खाली स्थानों एवं प्लॉटों में कचरा फेंकने की प्रवृत्ति रोकने के लिए नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है तथा संबंधित भू–स्वामियों को फेंसिंग कराने के निर्देश दिए जा रहे हैं। डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्वच्छता दीदियों को निर्धारित समय पर नियमित कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने कहा गया है।

भौगोलिकसंदर्भ

इंदिरा नगर से जिला अस्पताल तक वर्षा जल निकासी की बेहतर व्यवस्था के लिए नाला निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही नार कन्हैया नाला निर्माण परियोजना अंतर्गत आगे बसंतपुर अस्पताल तक नाला निर्माण कराया जाएगा। संबंधित ठेकेदारों को निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा निर्माण स्थल पर सुरक्षा संकेतक, बैरिकेडिंग एवं सामग्री का तत्काल निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तकनीकी अधिकारियों को गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

शहर की सड़कों पर पेचवर्क एवं गड्ढों की मरम्मत का कार्य तेजी से किया जा रहा है, ताकि वर्षाकाल में नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। महावीर चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों में गड्ढे भरे जा रहे हैं। डामर उपलब्ध होते ही डामरीकरण कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा। विद्युत मंडल द्वारा काटी गई झाड़ियों को हटाया जा चुका है तथा सड़क किनारे झाड़ियों की नियमित कटाई निगम की टीम द्वारा की जा रही है। शहर के प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

उर्वरक वितरण में गड़बड़ी : महालक्ष्मी कृषि केंद्र का लाइसेंस 15 दिन के लिए निलंबित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

खरीफ सीजन में किसानों को समय पर और निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने सख्ती तेज कर दी है। बेमेतरा जिले में उर्वरक वितरण में अनियमितता पाए जाने पर ग्राम रनबोड़ स्थित मेसर्स महालक्ष्मी कृषि केंद्र का उर्वरक लाइसेंस 15 दिनों के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में प्रतिष्ठान किसी भी प्रकार के उर्वरक का भंडारण, विक्रय या उर्वरक व्यवसाय से जुड़ी गतिविधियां नहीं कर सकेगा।

कृषि विभाग के अनुसार संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ के निर्देश पर जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी, डायवर्सन, अधिक कीमत पर बिक्री तथा नकली और अमानक उर्वरकों की रोकथाम के लिए लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 30 जून को नवागढ़

विकासखंड के रनबोड़ स्थित महालक्ष्मी कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के कई प्रावधानों का उल्लंघन सामने आया।

जांच के दौरान कैश मेमो पर किसानों के हस्ताक्षर नहीं मिले। भंडारण एवं विक्रय पंजी का संधारण अपूर्ण पाया गया, निर्धारित प्रारूप में मासिक जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई थी तथा बिक्री स्थल पर उर्वरकों का स्टॉक और निर्धारित विक्रय दर भी प्रदर्शित नहीं की गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में अन्य जिलों के किसानों को उर्वरक बेचे गए। इसके अलावा पीओएस सिस्टम में दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध भौतिक स्टॉक में भी अंतर पाया गया।

इन अनियमितताओं पर प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया था, लेकिन विभाग को दिया गया स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं मिला। इसके बाद उर्वरक निरीक्षक एवं सह प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नवागढ़ की अनुशंसा पर प्राधिकृत अधिकारी एवं उप संचालक कृषि, बेमेतरा ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के तहत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए प्रतिष्ठान का उर्वरक प्राधिकार पत्र 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की रक्षा और उर्वरकों की पारदर्शी वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा। उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला–दुर्ग

–:: ईश्तहार ::–

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ–6/वर्ष 2025–26 में आवेदिका/आवेदक जोगेन्द्र (जोगिन्दर सिंह) आ./ध.प. प्रितम सिंह निवासी– सूर्या नगर कैम्प–2 भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम– कोहका प.ह.नं 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 8764/10 रकबा 0.0100 हे. है। जो भूमिस्वामी हरविंदर सिंह पिता जोगिन्दर सिंह के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी हरविंदर सिंह पिता जोगिन्दर सिंह की मृत्यु दिनांक 13/06/2025 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैद्य वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला–दुर्ग

–:: ईश्तहार ::–

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ–6/वर्ष 2025–26 में आवेदिका/आवेदक बृजभूषण सिंह चंदेल आ./ध.प. स्व. सुखनंदन लाल चंदेल निवासी– सुंदर नगर कोहका भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम– कोहका प.ह.नं 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 3838/3 रकबा 0.0200 हे. है। जो भूमिस्वामी सुखनंदन लाल चंदेल पिता चुन्नूराम चंदेल के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी सुखनंदन लाल चंदेल की मृत्यु दिनांक 31/10/2025 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैद्य वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला–दुर्ग

–:: ईश्तहार ::–

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ–6/वर्ष 2025–26 में आवेदिका/आवेदक वाजिद खान आ./ध.प. शहीद खान निवासी– विवेकानंद नगर कोहका तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम– कोहका प.ह.नं 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 4265/3 रकबा 0.0150 हे. है। जो भूमिस्वामी अफसरी खातून पिता मोहम्मद इस्लाम खान शामिलात खाते के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी अफसरी खातून/मोहम्मद इस्लाम खान की मृत्यु दिनांक 18/04/2026 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैद्य वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला–दुर्ग

–:: ईश्तहार ::–

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ–6/वर्ष 2025–26 में आवेदिका/आवेदक वाजिद खान आ./ध.प. शहीद खान निवासी– विवेकानंद नगर कोहका तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम– कोहका प.ह.नं 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 1318/159 रकबा 0.0084 हे. है। जो भूमिस्वामी अफसरी खातून ध.प. शहीद खान के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी अफसरी खातून/शहीद खान की मृत्यु दिनांक 18/04/2026 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैद्य वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला–दुर्ग (छ.ग.)

–:: ईश्तहार ::–

(रा.प्र.क्रं. 202607101000011/–ब–121 वर्ष 2025–26

एदत् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हेमंत कुमार शिवारे आ./ध.प. श्री लतखोर प्रसाद शिवारे निवासी–देमार तह. व जिला दुर्ग, द्वारा अपने पुत्र/पुत्री/स्वयं भागा बाई का जन्म/मृत्यु दिनांक 25/11/25 को –भिलाई तह. व जिला दुर्ग में जन्म/मृत्यु हो जाने के कारण जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को इस संबंध में आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 15/07/2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कायर्वाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया हैं।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

–:: व्यक्तिगत सूचना ::–

(रा.प्र.क्र./..../अ–6/वर्ष 2025–26)

प्रति,
डॉ. अनुपम दीक्षित आ. डॉ. आर.के. दीक्षित
निवासी–पुराना नेहरू नगर भिलाई
पक्षकार –श्रीमती सुषमा गुप्ता पति सुशील गुप्ता
निवासी –सरोना कांकेर

विरूद्ध

अनावेदक–छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202606101000039/अ–6/वर्ष 2025–26 आवेदिका –श्रीमती सुषमा गुप्ता पति सुशील कुमार गुप्ता निवासी–सरोना कांकेर द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 1704/68 रकबा 2000 वर्गफीट भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के माध्यम से दिनांक 02.11.202006 को विक्रेता डॉ. अनुपम दीक्षित आ. डॉ. आर.के. दीक्षित निवासी–पुराना नेहरू नगर भिलाई से क्रय किया गया था। जिसके रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 23/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

–:: ईश्तहार ::–

(रा.प्र.क्र./..../अ–6/वर्ष 2025–26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती शैदुन निशा आ./ध.प. मोहम्मद ताजुद्दीन निवासी–सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम– कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1946/5. रकबा 0.004 हे. भूमि को बैनामा के आधार पर दिनांक 26/10/3022 के आधार पर बैनामा के आधार पर विक्रेता अनूप कुमार मार्टिन आ.स्व. हेराल्ड मार्टिन से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक18/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

प्रगतिशील किसान वीरेंद्र साहू ने अपनाया फसल विविधीकरण

राजनांदगांव। जिले के ग्राम जंगलेश्वर के प्रगतिशील किसान वीरेंद्र कुमार साहू ने इस खरीफ मौसम में परंपरागत धान की खेती के स्थान पर कम पानी में होने वाली गेंदा फूल की खेती अपनाकर फसल परिवर्तन की दिशा में सराहनीय पहल की है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम और जल की कमी को देखते हुए कम पानी वाली फसलों की खेती किसानों के लिए अधिक लाभकारी साबित हो सकती है। किसान साहू के पास लगभग 20 एकड़ कृषि भूमि है। इस वर्ष उन्होंने अपनी कृषि भूमि के कुछ हिस्से में धान के स्थान पर गेंदा फूल की खेती करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि पिछले खरीफ सीजन में धान की खेती के दौरान अल्प वर्षा एवं बेमौसम बारिश के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ, जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। यही कारण है कि इस बार उन्होंने कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसल को चुना है। उन्होंने बताया कि गेंदा फूल की खेती का निर्णय कृषि विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में लिया गया है।

म्यूल खाते उपलब्ध कराने वाले 10 आरोपी पुलिस की पकड़ में, अब तक 123 खाताधारकों पर की गई कार्रवाई

सिटी कोतवाली और छावनी पुलिस ने संयुक्त रूप से की गिरफ्तारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले संगठित नेटवर्क पर दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सिटी कोतवाली और थाना छावनी पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरणों में कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस नेटवर्क से जुड़े 123 खाताधारकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा चुकी है।

क्या है पूरा मामला

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल और पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने म्यूल बैंक खातों की जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि साइबर ठगी से मिली रकम को विभिन्न बैंक खातों में डालकर अन्य खातों में ट्रांसफर किया जा रहा था, ताकि अवैध आर्थिक लाभ कमाया जा सके। पुलिस के अनुसार खाताधारकों ने खुद या अन्य लोगों के साथ मिलकर अपने बैंक खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम को प्राप्त करने, छिपाने और आगे भेजने के लिए किया। यह कृत्य भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(2), 318(3), 318(4) के तहत दंडनीय है।

सिटी कोतवाली की कार्रवाई

थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने इंडियन ओवरसीज बैंक के संदिग्ध खातों की जांच में 106 खाताधारकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। विवेचना के दौरान 8 खाताधारकों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन, इंडियन ओवरसीज बैंक की पासबुक, एटीएम कार्ड और आधार कार्ड जप्त किए गए।

छावनी पुलिस ने दबोचे 2 और

थाना छावनी में दर्ज प्रकरण में पहले ही 15 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके थे। विवेचना के दौरान पुलिस ने गिरोह के 2 और सदस्यों प्रेमलाल कौशिक और लित कुमार को पकड़ा। इस प्रकरण में अब तक कुल 17 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी में मोदित कुमार जैन, उम्र 26, नूतन चौक, भिलाई-3, करण टण्डन, उम्र 21, पांच रास्ता, सुपेला, भिलाई, अवध किशोर, उम्र 55, सेक्टर एच, खुर्सीपार, भिलाई, संकेत कुमार दास, उम्र 27, खुर्सीपार, भिलाई, रविन्द्र कौशिक, उम्र 20, दुर्गा मंदिर, खुर्सीपार, शहबाज आलम, उम्र 26, जवाहर नगर, जामुल, ए. सागर, उम्र 36, वृंदा नगर, सुपेला, प्रिती कौर, उम्र 37, गांधी कॉलोनी, सुपेला, प्रेमलाल कौशिक, उम्र 23, खुर्सीपार, भिलाई, ललित कुमार, उम्र 24, खुर्सीपार, भिलाई शामिल हैं। आरोपियों से जप्त सामग्री में मोबाइल फोन, इंडियन ओवरसीज बैंक की पासबुक, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड शामिल हैं।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी को भी अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक या बैंकिंग जानकारी उपयोग के लिए न दें। कमीशन या प्रलोभन के लालच में खाता देना भी अपराध है। संदिग्ध साइबर गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। पुलिस के अनुसार म्यूल खातों के नेटवर्क के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी है और अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर अमरनाथ यात्रियों का भव्य स्वागत

श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर लौटे श्रद्धालुओं का किया अभिनंदन

"हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंजा स्टेशन परिसर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा कर लौटे भिलाई के 10 श्रद्धालुओं का दल सोमवार को दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचा। श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने स्टेशन पर पुष्पमालाओं, जयघोष और "हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ यात्रियों का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। यात्रा दल में भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग भिलाई के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, पूर्व पार्षद रिंकू साहू, नितेश सिंह, रोहन सिंह, गोविंदा गुप्ता सहित कुल 10 श्रद्धालु शामिल थे।

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि सभी श्रद्धालुओं ने लगभग 2 दिनों में 36 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा पूरी कर बाबा बर्फानी के पवित्र गुफा में दर्शन किए। यात्रा के दौरान उन्होंने भिलाई सहित पूरे छत्तीसगढ़ की सुख, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

इस अवसर पर मनीष पाण्डेय ने कहा कि अमरनाथ यात्रा आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम है। कठिन मार्ग और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बाबा बर्फानी के दर्शन का अनुभव जीवनभर याद रहेगा। यात्रा के दौरान देशभर से आए श्रद्धालुओं में एकता, अनुशासन और शिवभक्ति का अनुपम वातावरण देखने को मिला।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने सभी यात्रियों को बधाई देते हुए इसे पूरे शहर के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने बाबा बर्फानी से प्रदेश और देश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना भी की। स्वागत कार्यक्रम के दौरान समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उरला की थ्रीडी फैक्ट्री में जोरदार ब्लास्ट, तीन मजदूरों की हुई मौत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उरला थाना क्षेत्र के बेन्द्री में स्थित एक थ्रीडी फैक्ट्री में सोमवार को हुए जोरदार ब्लास्ट में 3 मजदूरों की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। जानकारी के अनुसार ब्लास्ट में गंभीर रूप से घायल कमल सिंह की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। वहीं लाल सिंह और अरुण पांडे की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान इस प्रकार हुई है: कमल सिंह - निवासी डिंडौरी, मध्यप्रदेश, लाल सिंह - निवासी डिंडौरी, मध्यप्रदेश, अरुण पांडे - निवासी जांजगीर चांपा, छत्तीसगढ़। घटना की सूचना मिलते ही DCP नार्थ, ADCP नार्थ और ACP मौके पर पहुंचे। साथ ही फायर ब्रिगेड और SDRF की टीमों को भी राहत और बचाव कार्य के लिए बुलाया गया। फैक्ट्री के अंदर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है।

ब्लास्ट के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। उरला पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया ब्लास्ट फैक्ट्री के अंदर किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है। विस्तृत जांच के बाद ही सही कारण स्पष्ट हो पाएगा।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100